● वर्ष-4
● अंक-75
रायपुर, बुधवार
06 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट...

राज्य अलंकरण घोषित, आज होंगे सम्मानित

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज राज्य अलंकरण समारोह में होंगे शामिल

रायपुर। राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के अवसर पर राज्य अलंकरण समारोह का आयोजन 06 नवंबर को किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज राजधानी रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य अलंकरण समारोह में सम्मानित होने वाले विभूतियों के नाम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा 06 नवंबर को 36 विभूतियों को छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन समारोह 6 नवम्बर को संध्या 6 बजे से उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव ग्राउण्ड में होगा। यहां उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों को छत्तीसगढ़ राज्य अंलकरण सम्मान से विभूषित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह में शामिल होने के लिए विमान से संध्या 5.40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड के लिए प्रस्थान करेंगे। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह के पश्चात रात्रि 7.45 बजे रायपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

यहां यह उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2024 का भव्य आयोजन 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक राज्योत्सव स्थल, नया रायपुर अटल नगर में हो रहा है। 6 नवम्बर को राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन होगा। राज्योत्सव का शुभारंभ 4 नवम्बर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ था। राज्योत्सव के दौरान कार्यक्रम स्थल में प्रतिदिन संध्या से लेकर देर रात तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 6 नवम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत श्री अनुराग शर्मा द्वारा अनुराग स्टार नाईट, श्री मनोज प्रसाद द्वारा इंडियाज गॉट टैलेंट मल्लखंभ, श्री सवि श्रीवास्तव द्वारा जादू बस्तर एवं पवनदीप एवं अरूनिता के पार्श्व गायन की प्रस्तुति होगी।

राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव के समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, दयाल दास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्री श्याम बिहारी जायसवाल,ओपी चौधरी, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा, नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इन्द्र कुमार साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

राज्योत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों द्वारा राज्योत्सव स्थल पर भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। यहां शिल्प ग्राम में छत्तीसगढ़ के विविध शिल्प प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध है। राज्योत्सव में प्रदर्शनी, मीना बाजार को देखने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुफ्त उठाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों के साथ नया रायपुर मेला ग्राउण्ड पहुंच रहे हैं।

मांदर बजाते थिरके मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्योत्सव की द्वितीय संध्या को जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वहां मौजूद कलाकारों के पास पहुंचे और मांदर बजाकर अपनी प्रसन्नता का इजहार किया। मुख्यमंत्री साय कलाकारों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते हुए आज अलग अंदाज में नजर आए। मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति से जुड़ाव और उनके सहज-सरल व्यवहार को देखकर लोग उनके मुरीद हो गए और तालियां बजाकर अपनी खुशी का इजहार किया। मुख्यमंत्री को इस मौके पर रिखी क्षत्रीय ने अपनी ओर से मांदर भेंट किया।

गौरतलब है कि जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में राज्य की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में दिखाई गई योजनाओं और उपलब्धियों की सराहना की और इसे जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। इस अवसर पर उन्होंने वहां एलईडी टीव्ही के माध्यम से प्रसारित हो रहे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में दिए गए भाषण को हेडफोन लगाकर सुना।

गौरतलब है 4 अक्टूबर, 1977, भारत के विदेश मंत्री के तौर पर स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी देश का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिन्दी में अपना भाषण दिया था। उन्होंने अपने भाषण में परमाणु निरस्त्रीकरण, आतंकवाद जैसे कई गंभीर मुद्दे उठाए थे।

36 विभूतियों का अलंकरण

सम्मान	सम्मानग्रहिता
शहीद वीरनारायण सिंह स्मृति	बुटलू राम माथरा नारायणपुर
यति यत्तनलाल	मनोहर गौशाला, खैरागढ़
गुण्डाधूर	छोटी मेहरा, पण्डरिया,
मिनीमाता	सतनामी महिला समिति,दुर्ग
गुरु घासीदास	राजेन्द्र रंगीला रायपुर
ठाकुर प्यारेलाल सिंह	शशिकांत द्विवेदी, डोंगरगढ़
महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव	विकास कुमार कोटा,
पं. रविशंकर शुक्ल सम्मान	वनवासी कल्याण आश्रम
पं. सुन्दरलाल शर्मा	डॉ. सत्यभामा आडिल,रायपुर
चक्रधर सम्मान	सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर
दाऊ मंदराजी सम्मान	पंडीराम मंडावी, नारायणपुर
डॉ. खूबचंद बघेल पुरस्कार	शिवकुमार चंद्रवंशी, कबीरधाम खेमराज पटेल, बिलाईगढ़
महाराजा अग्रसेन सम्मान	सियाराम अग्रवाल रायपुर
चन्दूलाल चन्द्राकर पुरस्कार	भोला राम सिन्हा, रायपुर
चन्दूलाल चन्द्राकर पुरस्कार	मोहन तिवारी, रायपुर
मधुकर खेर स्मृति	मुकेश एस सिंह, रायपुर
दानवीर भामाशाह	सुभाष चंद्र अग्रवाल, रायपुर
धन्वन्तरि सम्मान	डॉ. मनोहर लाल लडेजा, रायपुर
श्रीमती बिलासादेवी पुरस्कार	विनोद दास, रायपुर
डॉ. भंवरसिंह पोर्ते सम्मान	ललित कुमार नायक
स्व. महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार	छत्तीसगढ़ आदिवासी कल्याण संस्थान
पं. लखनलाल मिश्र सम्मान	रामनरेयश यादव, बिलासपु
छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान	आनंद कुमार पांडे, न्यूयॉर्क
देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार	भगत गुलेरी, पामगढ़
किशोर साहू सम्मान	प्रकाश अवस्थी, रायपुर
देवदास बंजारे पंथी नृत्य पुरस्कार	साधेलाल रात्रे मुढ़िया, मुंगेली
लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान	श्रीमती निर्मला ठाकुर (बेलचंदन), रायपुर
खुमान साव सम्मान	दुष्यंत कुमार हरमुख भिलाई,
लाला जगदलपुरी सम्मान	डॉ. पीसी लाल यादव, छुईखदान
किशोर साहू सम्मान	सतीश जैन भाठागांव, रायपुर
बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान	सुरेंद्र तिवारी, बिलासपुर प्रकाश चंद्र पंत, कांकेर
वीरांगना रानी सम्मान	श्रीमती अदिती कश्यप, कबीरधाम
माता बहादुर कलारिन सम्मान	कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, दुर्ग
पं. माधव राव सप्रे सम्मान	अतुल जैन, नई दिल्ली
स्व. बिसाहूदास महंत सम्मान	पन्नालाल देवांगन, सक्ती बहोरीलाल देवांगन, सक्ती
राजराजेश्वरी करुणामाता सम्मान	सत्यनारायण देवांगन, सक्ती अरुण मेढर, बिलाईगढञ

प्रमुख समाचार

भारत जैसा जातिगत भेदभाव दुनिया में सबसे खराबः राहुल

हैदराबाद। राहुल जाति जनगणना पर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान भारत में कथित जातिगत भेदभाव को लेकर बयान दिया। बकौल राहुल गांधी, जिस तरह का जातिगत भेदभाव भारत में होता है, ऐसा दुनिया में कहीं नहीं होता। उन्होंने कहा कि जाति आधारित भेदभाव के मामले में देश की स्थिति दुनिया में सबसे खराब है। हैदराबाद में राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए तेलंगाना राष्ट्रीय जाति जनगणना का मॉडल है। देश में 50 प्रतिशत आरक्षण की कृत्रिम सीमा को ध्वस्त कर दिया जाएगा। मंगलवार को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) की बैठक में राहुल गांधी की मौजूदगी में राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा 6 नवंबर से किए जाने वाले जाति सर्वेक्षण पर चर्चा की गई। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि राहुल ने सामाजिक समूहों, जाति संघों और कांग्रेस नेताओं से बातचीत की। बेगमपेट हवाई अड्डे पर और बाद में बोवेनपल्ली में एक कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उनके कैबिनेट सहयोगियों, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ और अन्य नेताओं ने राहुल का भव्य स्वागत किया।

झामुमो-कांग्रेस-सीपीएम के घोषणा पत्र में सरना धर्म कोड

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान दो चरणों में कराए जाने हैं। 13 और 20 नवंबर को मतदान होने हैं। ताजा घटनाक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया है। घोषणा पत्र में सरना धर्म कोड समेत कई बड़े वादे किए गए हैं। सीएम हेमंत ने दो चरणों में चुनाव कराए जाने पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, हमारी सरकार का कार्यकाल अभी एक महीना और बाकी था, लेकिन जाने कौन सी विकट परिस्थिति आ गई कि चुनाव एक महीना पहले ही करवाए जा रहे हैं। आज चुनाव आयोग के आदेशानुसार 2 चरणों में चुनाव हो रहे हैं, जो पहले 5 चरणों में हुआ करते थे। घोषणा पत्र जारी होने के मौके पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ से खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा राष्ट्रीय जनता दल, वाम दल और गठबंधन पार्टियों के सहयोगी नेता भी मौजूद रहे। चुनावी घोषणा पत्र को गठबंधन ने न्याय पत्र का नाम दिया है। इसमें सात गारंटियों का जिक्र किया गया है।

मप्र में महिलाओं का बढ़ा आरक्षण, 35 प्रतिशत पार

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मंगलवार को सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आवंटित आरक्षण कोटा में वृद्धि की घोषणा की। जारी की गई जानकारी के मुताबिक, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने वाली सरकार ने इसमें 2 फीसदी अतिरिक्त बढ़ोतरी कर दी है, जिससे महिलाओं का कोटा 35 फीसदी हो गया है। सरकार के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि आज मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की ब्रीफिंग के दौरान इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश में सरकारी सेवाओं के तहत सभी भर्तियों में आरक्षण (महिलाओं के लिए) 33त्न से बढ़ाकर 35त्न कर दिया गया है। यह निर्णय पहले लिया गया था, और इसे आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कैबिनेट बैठक के दौरान लिए गए अन्य बड़े फैसलों के बारे में भी विस्तार से बताया. शुरुआत करते हुए मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने राज्य में 254 नए उर्वरक बिक्री केंद्र खोलने को मंजूरी दे दी है।

डीजीपी की नियुक्ति पर अखिलेश ने कसा तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। नए नियमों के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति कम से कम दो साल के लिए की जाएगी और डीजीपी की नियुक्ति के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक नामांकन समिति का गठन किया जाएगा। नई नियमावली के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति तभी होगी जब अधिकारी की सेवा में कम से कम 6 महीने बचे हों। हालांकि, योगी सरकार के इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव हमलावर हो गए है। अखिलेश यादव ने कहा कि कार्यवाहक-डीजीपी की यह जो नई परंपरा इस राज्य में शुरू हुई है - सभी अधिकारी दुखी हैं क्योंकि उन्हें मौका नहीं मिला। यह अपने पसंदीदा व्यक्ति को पद पर बिठाने के लिए किया गया है। इससे पहले अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि सुना है किसी बड़े अधिकारी को स्थायी पद देने और और उसका कार्यकाल 2 साल बढ़ाने की व्यवस्था बनायी जा रही हैज् सवाल ये है कि व्यवस्था बनाने वाले खुद 2 साल रहेंगे या नहीं। कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है।

सेवानिवृत्ति से पहले बोले चंद्रचूड़- आत्म-चिंतन अहम

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इस दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी भी संस्थान की बेहतर के लिए आत्मचिंतन अहम है। सुप्रीम कोर्ट की तीन पुस्तकों का महत्व भी कुछ ऐसा है। इसे कम नहीं किया जा सकता। इसके अलावा मनोनीत न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ विद्वान व्यक्ति हैं। उन्होंने न्याय को सुलभ बनाने का प्रयास किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट की तीन पुस्तक राष्ट्र के लिए न्याय- भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 75 वर्षों पर चिंतन, भारत में कारागार- कारागार नियमावली का मानचित्रण और सुधार एवं भीड़भाड़ कम करने के उपाय और विधि विद्यालयों के माध्यम से कानूनी सहायता- भारत में कानूनी सहायता प्रकोष्ठों की कार्यप्रणाली पर एक रिपोर्ट का विमोचन किया। विमोचन समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं पुस्तकों के प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई देती हूं।

राज्योत्सव के दूसरे दिन भी रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

अपनी विरासत को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें : राज्यपाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है और युवा अवस्था में ही इस राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया है। राज्योत्सव के मौके पर अपनी विरासत को सहेजने और छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें। नागरिकगणों से यह अपील राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की। इस मौके पर अपने संबोधन में श्री डेका ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है। हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 24 वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है। इन वर्षो में हमने एक मजबूत आधार बनाया है और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य निर्माण का स्वप्न देखने वाले और इसके लिए संघर्ष करने वाले पुरखों को भी नमन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा जनकल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। छत्तीसगढ़ में कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। जनजातियों, महिलाओं एवं युवाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए भी निरंतर पहल की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले 23 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक ठोस धरातल निर्मित हुआ है। इस दौर में राज्य की सांस्कृतिक रूप से भी एक अलग पहचान बनी है। वर्तमान में भी सांस्कृतिक समृद्धि के लिए चहुंमुखी प्रयास किये जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त हैं, चाहे वन हो, खनिज हो या मानव संसाधन हो, सभी का उचित दोहन किया जाना अभी बाकी है। संसाधनों के दोहन के साथ ही हमें इस पर भी गहन चिंतन करना होगा कि विकास का पैमाना क्या हो। विकास की सतत् प्रक्रिया में प्रकृति के साथ संतुलन बना रहे, यह भी ध्यान रखना होगा। हम सबको आज संकल्प लेना होगा कि

छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करेंगे।

राज्य की उन्नति के लिए शांति जरूरी है, विगत कुछ वर्षों से नक्सल हिंसा से छत्तीसगढ़ का कुछ हिस्सा प्रभावित रहा है। इस हिंसा को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार साझा प्रयास किये जा रहे हैं। आशा है कि जल्द ही इस हिंसा से राज्य को मुक्ति मिलेगी और छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की दौड़ में आगे बढ़ेगा।

राज्यपाल ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस राज्य को अग्रणी राज्य बनाने के लिए अधिक से अधिक योगदान दें साथ ही आज एक संकल्प लें कि अपने प्रदेश की, शहर की सार्वजनिक संपत्तियों, सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करेंगे, उसे संभालेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने संयुक्त मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और बड़े हुए वे लोग तब और अब के फर्क को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें याद होगा कि किस तरह छत्तीसगढ़ में बार-बार अकाल पड़ता था। किसानों को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता था। सौभाग्य से जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तो छत्तीसगढ़ की पीड़ा को समझा और अलग राज्य का निर्माण किया। 24 साल पूरे हो गये हैं। छत्तीसगढ़ विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कार्यक्रम में लोक कलाकारों को अधिकतम जगह दी है। इसके साथ ही छालीवुड और बालीवुड के कलाकारों को भी जगह दी है। मैं सभी कलाकारों का अभिनंदन करता हूँ। हमारी कला हमारे विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति इस मामले में बहुत समृद्ध है हमारे यहां हर विधा के कलाकार हैं। छत्तीसगढ़ में लोक गायन, लोक कला एवं सभी विधाओं को हमारी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। शिल्प ग्राम स्थापित किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने तीज त्योहारों, देव स्थलों, मड़ई मेलों को भी सहेज रहे हैं। विकास के लिए सबसे बड़ी ताकत संस्कृति से ही मिलती है।

एसबीआई कियोस्क ग्राहक सेवा केंद्र में हमलावरों ने की गोलीबारी

■ संचालक गंभीर रूप से घायल, दादी की मौत

जशपुर। जशपुर में कांसाबेल थानांतर्गत बटइकेला, टोंगरीटोला गांव में मंगलवार सुबह एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई, जिसमें एसबीआई कियोस्क ग्राहक सेवा केंद्र में अज्ञात हमलावरों ने गोली चलाकर संचालक की 65 वर्षीय दादी उर्मिला गुप्ता की हत्या कर दी और संचालक संजू गुप्ता उर्फ सन्चू घायल हो गया। घटना की पुष्टि जिला पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने की है।

एसपी शशिमोहन सिंह ने बताया कि हमलावर नकाबपोश थे और मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। वे सीधा कियोस्क में घुसे और लूटपाट का प्रयास किया। संचालक संजू गुप्ता पर फायर करने से पहले ही उसकी दादी उर्मिला गुप्ता ने साहस दिखाते हुए हमलावरों से रिवॉल्वर छीनने की कोशिश की, जिससे हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। वृद्धा उर्मिला गुप्ता की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि संजू गुप्ता को कट्टे की बट से मारा गया,जिसे घायल अवस्था में कांसाबेल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना लगभग सुबह 10 बजे की बताई जा रही है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और हमलावरों की तलाश में जुट गई। बताया जा रहा है कि गोलीबारी के बाद हमलावर अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर जंगल की ओर भाग गए। एसपी शशिमोहन सिंह स्वयं मौके पर मौजूद होकर घटना की जांच कर रहे हैं और जंगल में फरार हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। पुलिस ने घटना की सभी पहलुओं से जांच शुरू कर दी है और जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार करने का भरोसा जताया है।

भकुरा में सड़क किनारे मिला जिंदा सिग्नल पैरा बम

सरगुजा। शहर से लगे कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम भकुरा के चिखलाडीह आमा पारा में कुछ ग्रामीण साफ सफाई कर रहे थे। इस दौरान उन्हें अजीब सामान मिला। इससे अनजान ग्रामीणों ने उठाकर उसे सड़क किनारे फेंक दिया। इसी बीच गांव का कोई दूसरा व्यक्ति वहां पहुंचा उसने गांव वालों को बताया कि यह बम है। ये सुनते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी डायल 112 को दी।

गांव में बम मिलने की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बम की पुष्टि की। जिसके बाद मामले की जानकारी उच्च पुलिस अधिकारियों को दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार समेत पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा घेरा बनाकर बम को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने बीडीएस यानी बम डिस्पोजल स्कॉड को तुरंत बुलाया।

कुछ ही देर में बीडीएस की टीम मौके पर पहुंची और बम की जांच शुरू की। गांव में जिंदा सिग्नल पैरा बम मिला था, जिसे बीडीएस की टीम ने कब्जे में लिया और उसे डिफ्यूज किया। पुलिस के अनुसार सिग्नल पैरा बम लाइट के लिए काम आता है। जिसे सेना और सीआरपीएफ के लोग करते है।

एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कोतवाली थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में सड़क किनारे एक सिग्नल पैरा बम मिला है। बीडीएस की टीम ने बम को निष्क्रिय कर दिया है। पुलिस जांच कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि बरामद किया गया बम एक सिग्नल पैरा बम है जो रोशनी के काम आता है। यह बम फटता नहीं है लेकिन बड़ी बात यह है कि इस तरह के हथियार का उपयोग सेना और सीआरपीएफ के लोग ही करते है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह बम आखिर गांव में कैसे आया। पुलिस अधिकारी भी फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं बता पा रहे है लेकिन बम मिलने के बाद कई सवाल पैदा हो रहे है।

24 घंटे में नक्सलियों ने ली जिम्मेदारी जवानों से लूटे हथियारों की तस्वीर जारी

नोट में लिखा- हमने दिया अंजाम

जगदलपुर। सुकमा जिले के जगरगुंडा में दो जवानों के ऊपर हमला करते हुए उनके पास से हथियार भी लूट कर ले गए। घटना के बाद घायल जवानों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं घटना के 24 घंटे के बाद नक्सलियों ने इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए लूटे हुए हथियार की फोटो के साथ ही प्रेस नोट जारी किया है।

बताया जा रहा है कि बीते रविवार को सुकमा जिले के जगरगुंडा साप्ताहिक बाजार की ड्यूटी में तैनात जवानों पर नक्सलियों ने हमला करते हुए उनके पास रखे हथियार को लूट कर फरार हो गए, जवानों पर हुए अचानक से हमले के बाद बाजार में दहशत फैल गई।

घटना के तत्काल बाद जहां घायलों को अस्पताल ले जाया गया। वहीं बाजार में शांति देखी गई। आसपास के लोगों का कहना था कि बाजार में ड्यूटी कर रहे दो जवानों पर नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम ने हमला कर दिया। हमले में दो जवान घायल हुए, जिन्हें जगरगुंडा अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया।

बाजार में घटना के बाद अफरा तफरी होते ही पुलिस ने इलाके को घेर लिया। घटना के 24 घंटे के बाद दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के प्रवक्ता समता ने प्रेस नोट जारी किया। बता दें कि इस घटना को नक्सलियों की पीएलजीए के लड़ाकुओं ने आठ बजे अंजाम दिया। जिसके बाद हथियार को लूट कर ले गए। नक्सलियों ने लुटे हुए हथियार की फोटो भी जारी की है।

ट्रेलर जलाने के आरोप में भाजपा नेता अनिल अग्रवाल सहित अन्य के खिलाफ एफआईआर

तिल्दा नेवरा। रविवार की रात तिल्दा कोटा मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा जाने से बाइक सवार की हुई मौत के बाद आक्रोशित भीड़ के द्वारा ट्रेलर संचालक के दुकान और घर के सामने हुए बवाल के बाद ट्रेलर में लगाई गई आग के मामले में पुलिस ने भाजपा के रायपुर जिला ग्रामीण महामंत्री अनिल अग्रवाल सहित आधा दर्जन से भी अधिक लोगों पर एफआईआर दर्ज किया है।

पुलिस के द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद उपद्रव करने में शामिल कई लोग भूमिगत हो गए हैं। रविवार की रात एक युवक अपने बाइक से कोटा रोड मार्ग से गुजरते समय सामने आ रही कर से टकराकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से जा टकराया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।इस घटना के बाद आसपास मोहल्ले में रहने वाले लोग बड़ी संख्या में इकट्ठे हो गए और ट्रेलर मलिक के दुकान के सामने गाली गलौज करते हुए उपद्रव कर रहे थे।

खबर मिलने के बाद पहुंची पुलिस के साथ खबर के कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों से भी उपद्रवी लोग गली गलौज कर धमका रहे थे।कुछ देर बाद दो ट्रेलर में आग लगा दी गई उसके बाद घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई क्योंकि पुलिस बल काफी कम था इसीलिए पुलिस चाह कर भी उपद्रवीयो को रोक नहीं पाई।

बाद में खरोरा धरसीवा आरंग मंदिर हसौद की पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया गया कुछ देर बाद ग्रामीण कप्तान कीर्तन राठौर अतिरिक्त बल के साथ तिल्दा पहुंच गए। उपद्रव करने वाले लोग ट्रेलर में आग लगाने के बाद थाना के सामने पहुंच गए और चक्का जाम कर दिए हालांकि बड़ी संख्या में पुलिस को देखकर वे सहम गए बावजूद हुए धरना स्थल पर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर मुआवजा देने की मांग करते रहे। जबकि मृतक के परिजन शांत रूप से बातचीत करने के लिए पुलिस के सामने पहुंचे थे लेकिन कुछ लोग उन्हें भड़काते रहे। जिसके कारण स्थिति काफी तनाव ग्रस्त बनी रही।

सोमवार को मृतक का पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार किया गया बाद में पुलिस ने इस मामले में भाजपा के जिला महामंत्री अनिल अग्रवाल सहित कुल 7 लोगों के खिलाफ नाम जद रिपोर्ट दर्ज किया वहीं भीड़ में शामिल कई अन्य लोगों के नाम भी पुलिस के सामने आए हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस की कार्रवाई के बाद कई लोग भूमिगत हो गए हैं।

मोबाइल दुकान संचालक से करोड़ों की ठगी

■ कोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र के मोबाइल दुकान संचालक के खाते से 1 करोड़ 20 लाख रूपए पार करने के मामले में एफआईआर दर्ज हुई है। पीड़ित ने पुलिस के पास जाकर गुहार लगाई थी।लेकिन जब केस दर्ज नहीं हुआ तो कोर्ट की शरण ली।कोर्ट ने इस केस में पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश दिए थे।

भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि रमेश कुमार मारकंडे की नेवई में मोबाइल की दुकान है। दिसंबर 2023 में उसके भतीजे का दोस्त विकास चंद्राकर उसकी दुकान में अपना मोबाइल बनवाने के लिए आया था।उसने रमेश से एक मोबाइल चलाने के लिए स्टैंडबाई के रूप में मांगा। दुकान में ग्राहक होने के कारण रमेश ने उसे जो मोबाइल चलाने के लिए दिया, उसमें से सिम निकाला भूल गया।

सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा जो सिम उस मोबाइल में लगा था उसी से वो अपने करंट अकाउंट का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन भी करता था। विकास ने उसका फायदा उठाया और 13 दिसंबर 2023 को रमेश के खाते से चार-पांच घंटे के भीतर ही एक करोड़ 20 लाख रुपए पार कर दिए।

इतनी बड़ी रकम कुछ ही देर में निकलने पर बैंक से रमेश के पास फोन आया रमेश को जब पता चला तो उसके होश उड़ गए बैंक द्वारा कहा गया कि आप बैंक में आकर संपर्क करें इस पर रमेश ने तुरंत अपने भतीजे को बैंक भेजा बैंक जाने पर पता चला कि उसी के दोस्त विकास चंद्राकर ने खाते से लिंक सिम और मोबाइल पाकर 1 करोड़ 20 लाख रुपए पार कर दिया। जब रमेश ने विकास चंद्राकर को फोन लगाया और पूछा कि जो मोबाइल वो ले गया है उसमें उसका सिम लगा था। उसने उसके खाते से ऑनलाइन 1 करोड़ 20 लाख रुपए निकाले हैं। इस पर विकास ने कहा कि वह इस समय बेंगलुरु में है वापस आने पर उससे मिलेगा। बाद में उसने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया और बेंगलुरु से वापस नहीं आया।

बस्तर ओलंपिक : विकासखंड स्तर से शुरू होगी खेल प्रतियोगिता

हर ग्राम पंचायत से शामिल होंगे खिलाड़ी

जगदलपुर। बस्तर ओलंपिक 2024 के अंतर्गत प्रथम चरण की खेल प्रतियोगिता आज से विकासखंड स्तर से प्रारंभ होगी, जिसमें पंजीयन कराने वाले प्रत्येक पंचायत के खिलाड़ी शामिल होंगे। विकासखंड स्तर पर प्रत्येक 10 से 12 पंचायतों का समूह बनाकर प्रतिदिन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 10 से 12 पंचायतों में जो खिलाड़ी प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे, वह अगले राउंड में प्रवेश करेंगे, जो सेमीफाइनल राउंड होगा।

विकासखंडों में लगातार चार से पांच दिनों तक प्रतियोगिताएं संपन्न होगी और विजेता खिलाड़ी-टीम अगले राउंड सेमीफाइनल और फिर फाइनल में प्रवेश करेंगे। फाइनल के विजेता अपने विकासखंड से जिला स्तर पर भाग लेंगे। विकासखंड स्तरीय आयोजन के लिए सीईओ जनपद पंचायत को इसके निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीकृत सभी खिलाड़ी अपने पंचायत के सचिव, सरपंच, पीटीआई या जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पंचायत के नोडल या प्रभारी अधिकारी से संपर्क कर विकासखंड स्तर पर अपनी पंचायत या नगरीय निकाय का मैच किस तिथि को है, पता कर उस तिथि में विकासखंड स्तर पर भाग ले सकेंगे।

सभी सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि किस तिथि में किस पंचायत को विकासखंड स्तर पर खेलने आना है, निर्धारण कर संबधित पंचायतों को सचिव के माध्यम से अवगत कराएं। साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि जिन खिलाड़ियों ने बस्तर ओलंपिक के लिए अपना पंजीयन कराया है, वे सुगमता पूर्वक बस्तर ओलंपिक की खेल प्रतियोगिता में शामिल हो सके।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कवर्धा विकासखंड के ग्राम दौजरी का दौरा कर केंद्र तथा राज्य शासन द्वारा प्राथमिकता में रखे गए जनजीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन, नल कनेक्शन और जल आपूर्ति की व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों के घरों में पहुंचकर पाइपलाइन की गुणवत्ता, नल की कार्यक्षमता और जल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने पाया कि कुछ स्थानों पर पाइपलाइन का कार्य सही ढंग से पूरा नहीं होने के कारण लीक होने से पानी बह रहा था। कलेक्टर ने लापरवाही पूर्वक कार्य के लिए ठेकेदार पर कड़ी नाराजगी जताई। इस स्थिति पर उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पाइपलाइन लीकेज को शीघ्र अति शीघ्र सुधारा जाए, ताकि ग्रामीणों को सुचारू रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो सके। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए।

सुकमा-जगरगुंडा नक्सल अटैक माओवादियों की तलाश जारी

सुकमा। रविवार को सुकमा के जगरगुंडा में नक्सलियों ने जवानों पर हमला किया। उसके बाद वह उनके हथियार लूटकर फरार हो गए। 3 नवंबर को हुई इस घटना को लेकर सियासी हड़कंप भी मचा। उसके बाद से लगातार सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों की तलाश कर रहे हैं। इस बीच सोमवार को नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली और हथियार लूटे जाने का दावा किया। नक्सलियों के इस दावे पर ईटीवी भारत ने बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी से बात की है। उन्होंने नक्सलियों को लेकर सर्च ऑपरेशन जारी रखने की बात कही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने रविवार को इस वारदात को अंजाम दिया। नक्सलियों की टीम ने उस वक्त हमला किया जब बाजार साप्ताहिक बाजार में सुरक्षा के लिए तैनात थे। यहां पर छोटे व्यापारी और कई ग्रामीण खरीदी करने के लिए आते हैं। इसलिए पुलिस और सुरक्षाबल के जवान यहां सुरक्षा ड्यूटी में तैनात रहते हैं।

कार कंपनी के यार्ड में लगी आग, 13 गाड़ियां खाक

बिलासपुर। बिलासपुर में एक कार कंपनी के यार्ड में खड़ी एक्सीडेंटल कारों में अचानक आग लग गई। इस आगजनी की घटना में 13 पुरानी कारें पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं। घटना से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं आग लगने की सूचना पर दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। यह घटना सकरी थाना क्षेत्र की है। आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना में कोई जनहानि नहीं की खबर नहीं है। फिलहाल, आग लगने का कारण अभी तक अज्ञात है।

स्कूल में खाना बनाने के दौरान कुकर फटने से रसोइया घायल

तखतपुर। मिडिल स्कूल लमेर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्कूली बच्चों के लिए खाना बनाने के दौरान कुकर फट गई। इस हादसे में रसोइया तितरी बाई पटेल को गंभीर चोट आई है। उन्हें इलाज के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिम्स अस्पताल बिलासपुर रेफर किया गया। उप स्वास्थ्य केंद्र लमेर में डॉक्टर की लापरवाही भी सामने आई है। रसोइया को अस्पताल लाया गया तो ड्यूटी में तैनात डॉक्टर हॉस्पिटल से गायब थे। निरीक्षण में पहुंचे खंड चिकित्सा अधिकारी उमेश साहू ने घायल महिला का ईलाज किया। बीएमओ ने ड्यूटी से गायब दो क्रा।ह्व को जमकर फटकार लगाई और काम में लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

राज्योत्सव की तैयारी करते करंट की चपेट में आए शिक्षक

सारंगढ़। सारंगढ़ में राज्योत्सव की तैयारी जोरों से चल रही थी, सभी विभागों के स्टाल इस राज्योत्सव में लगा हुआ है जिसमें शिक्षा विभाग का भी एक स्टॉल लगा हुआ था, जिसमें बैनर लगाते समय या कुछ साज सज्जा करते समय 50 वर्षीय शिक्षक भगत पटेल की विद्युत करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। मौत की खबर से पूरे प्रशासन में हडकंप पहुंच गया, वहीं शिक्षा विभाग के सारे कर्मचारी इस घटना से काफी हतप्रभ हैं। जानकारी के अनुसार राज्योत्सव में टेंट साउंड सिस्टम की व्यवस्था पीडब्ल्यूडी के विद्युत विभाग की है। घटना की पुष्टि करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश्वर चंदेल ने कहा कि शिक्षक की मौत बिजली की चपेट में आकर हुई है, लापरवाही बरतने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला की हत्या का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

कोंड़ागांव। थाना विश्रामपुरी पुलिस ने आरोपी शंकर बांधे अपनी पत्नि लक्ष्मी जांगड़े निवासी पलना राईस मिलपारा को अन्य व्यक्तियों से बात करने एंव अवैध संबंध होने की आशंका से नाराज होकर आरोपी के द्वारा धारदार हथियार से हत्या करने की नियत से प्राण घातक हमला कर घटना कारित कर फरार हो गया, जिसे आज मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना विश्रामपुरी में प्रार्थी कृष्ण कुमार जांगड़े पिता स्व. सुनील जांगड़े निवासी पलना राईस मिलपारा ने 4 नवंबर को आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज करवाकर बताया कि घटना 3 नवंबर की दरम्यानी रात्री में आरोपी शंकर बांधे जो पीड़िता श्रीमति लक्ष्मी जांगड़े को पत्नि बनाकर दोनों पति पत्नि के रूप में ग्राम सलना राईस मिलपारा में रहते थे। आरोपी शंकर बांधे अपने पत्नि लक्ष्मी को अन्य व्यक्तियों से बात करने एंव अवैध संबंध होने की शंका करने की नियत से हमेशा वाद विवाद होता था उसी बात से नाराज होकर आरोपी के द्वारा घर में रखे धारदार हथियार से सिर एंव शरीर के अन्य भागों में दो-तीन बार हत्या करने की नियत से प्राण घातक हमला कर घटना कारित कर फरार हो गया है। पीड़िता श्रीमति लक्ष्मी जांगड़े को घायल अवस्था में किसी तरह विश्रामपुरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया, जहां पीड़िता श्रीमति लक्ष्मी जांगड़े का अस्पताल में उपचार जारी है।

प्रार्थी की लिखित आवेदन पर से थाना विश्रामपुरी में अपराध क्रमाक 68/2024 धारा 118(1),109 भादवि. पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। उक्त फरार आरोपी को विश्रामपुरी के काजू प्लाट के आस-पास घुमते पाये जाने की सूचना पर घेराबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ में आरोपी शंकर बांधे ने पीड़िता लक्ष्मी जांगडे को धारदार हथियार में हत्या करने की नियत से मारना स्वीकार किया है। विश्रामपुरी थाना में कार्यवाही उपरांत आज मंगलवार को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल हेतु भेजा गया है।

दंतेवाड़ा विधायक ने विधायक प्रतिनिधि जितेन्द्र को हटाया

दंतेवाड़ा। जिले के विधायक चैतराम अटामी ने कलेक्टर दंतेवाड़ा को पत्र जारी करते हुए जितेन्द्र गुप्ता विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका किरंदुल को पद से मुक्त करने की सूचना जारी कर दिया है। जारी पत्र में कहा गया है कि जितेन्द्र गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि नगर पालिका किरंदुल का विवादित कार्यों में संलिप्त होने के कारण विधायक प्रतिनिधि को मेरे द्वारा पद से मुक्त किया जाता है। बताया जा रहा है कि किरंदुल की बेवा सीमा गोयल के आशियाने पर दबंगई से कब्ज़ा करने के मामले को लेकर संज्ञान लेते हुए उन्हें भार मुक्त करने पत्र जारी किया है।

बर्थ डे पार्टी में सजी जुए की महफिल

■ लेकिन पुलिस ने डाल दिया खलल

भिलाई। भिलाई नगर थाना क्षेत्र रुआबांधा में पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनसे पुलिस ने 2 लाख 56 हजार रुपए जब्त किए हैं। पकड़े गए जुआरियों में से एक का जन्मदिन था। केक काटने के बाद सभी लोग जुआ खेलने बैठ गए थे। भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने इस कार्रवाई के बारे में पूरी जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक देर शाम रुआबांधा क्षेत्र में जुआ का फड़ सजे होने की सूचना पर पुलिस टीम ने छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान जुए की महफिल सजाए 12 लोगों को मौके पर दबोच लिया गया।

सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा इनसे पुलिस ने ताश की पत्तियां और 2 लाख 56 हजार रुपए नकद राशि बरामद किया है।पकड़े गए लोगों में से एक का जन्मदिन होने के कारण सभी लोग इकट्ठा हुए थे। पार्टी करने के बाद सभी जुआ खेलने लगे।सभी के खिलाफ जुआ एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पकड़े गए जुआरियों के नाम - अनिल सिंह उम्र 32 वर्ष, अमन जैन , मयंक गावंडे , हेमलाल ढीमर , बल्लू चंद्राकर , मनीष जैन , विनय यादव , नितेश जैसवाल पिता राजेंद्र जायसवाल , गुजराती , शैलेश मिश्रा , पप्पू साहू और राजेंद्र बागड़े अंबेडकर नगर उरला रोड दुर्ग निवासी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य मंत्री ने राज्योत्सव में विभागीय विकास प्रदर्शनी का किया अवलोकन

रायपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री

दयाल दास बघेल ने नया रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल में खाद्य विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विधायक श्री संपत अग्रवाल भी इस दौरान उनके साथ थे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री बघेल ने विभागीय स्टॉल में विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लोगों को जानकारी प्रदान करने लगाई गई प्रदर्शनी का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्टॉल में आने वाले लोगों को अधिक से अधिक योजनाओं की जानकारी देने और इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करने को कहा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के स्टॉल में धान खरीदी और पीडीएस सहित कई योजनाओं के क्रियान्वयन और उपलब्धियों की जानकारी प्रदर्शित की गई है।

रावण मैदान व कुशालपुर में आज चुनावी सभा को करेंगे संबोधित पायलट

रायपुर। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी

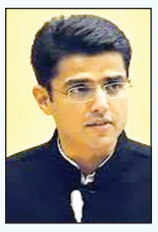

महासचिव सचिन पायलट बुधवार को राजधानी रायपुर आ रहे है। इस दौरान वे कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा के लिए दक्षिण विधानसभा में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। श्री पायटल दोपहर ढाई बजे शहीद पंकज विक्रम सिंह वार्ड के रावण मैदान में और शाम 4.30 बजे कुशालपुर में चुनावी सभा लेंगे। पायलट रात 8.25 बजे दिल्ली लौट जाएंगे। पायलट का यह उप चुनाव में पहला दौरा है।

अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा 12 जनवरी को परिचय सम्मेलन

रायपुर। अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा सरयूपारीय कान्यकुब्ज मैथिल झीझोतीया गुजराती बंगाली मराठी तेलुगु राजस्थानी गौण,पंजाबी सभी समाज के ब्राह्मण युवक - युवतियों के लिये 12 जनवरी को विप्र भवन समता कालोनी रायपुर में परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया है। यह जानकारी अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के योगेश तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि एक ही छत के नीचे विवाह हेतु रिश्ता , लड़की या लड़का देखना पसंद आने पर कुंडली मिलान और बातचीत के पवित्र उद्देश्य को लेकर संगठन द्वारा 12 जनवरी 2025दिन रविवार को विप्र भवन समता कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़ में प्रातः 9 बजे से अविवाहित युवक युवती तथा कात्यायनी एवं परित्यक्ता परिचय सम्मेलन आयोजित है। व्हाट्सएप्प ग्रुप में माध्यम से कई रिश्ते तय हुए है जिसे प्रत्यक्ष करने हेतु कार्यक्रम आयोजित है। उपरोक्त कार्यक्रम के हिस्सा बनने हेतु संगठन द्वारा जारी फॉर्म को भरकर 351 रुपए मात्र सहयोग राशि सहित नीचे दिए गए हमारे पदाधिकारी के पास अविलंब जमा करा दे।

मेकाहारा अस्पताल में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अस्पताल मेकाहारा रायपुर में आग लगने से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई है। हड्डी रोग विभाग में आग लगी है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची है। फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। मौके पर अफसर और पुलिसकर्मी भी पहुंचे हैं।

राज्यपाल ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज

राजभवन में आधुनिक असम के सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. हजारिका जी का योगदान न केवल असम बल्कि संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करता है। वे केवल एक गायक या संगीतकार नहीं थे, बल्कि, वे उन चंद लोगों में से थे ज़िन्होंने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी। उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन भी किया। वे भारतीय संगीत अकादमी के निर्देशक भी रहे। श्री हजारिका पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी के मित्र भी थे। श्री हजारिका असम विधानसभा के विधायक भी रहे। श्री डेका ने कहा कि श्री हजारिका की विरासत, उनके गीत और उनके कार्य हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री हजारिका के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

रायपुर सेंट्रल जेल के सामने फायरिंग, गरमाई सियासत

आरोपी के साथ महापौर एजाज ढेबर का फोटो वायरल, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना, तो पीसीसी चीफ ने किया पलटवार

रायपुर। राजधानी रायपुर की सेंट्रल जेल के बाहर सोमवार को दो आरोपियों ने एक आदतन अपराधी पर दिनदहाड़े गोली चला दी और फरार हो गए थे। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रायपुर और दुर्ग की सीमा से दो आरोपियों शेख शाहनवाज उर्फ शानू महाराज (25 वर्ष) और शाहरूख (19वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में शामिल तीसरा आरोपी हीरा छुरा अभी भी फरार है, जिसका फोटो महापौर एजाज ढेबर के साथ वायरल हो रहा है। आरोपी के साथ महापौर ढेबर की वायरल फोटो पर सियासत तेज हो गई है। इसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। तो वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भी भाजपा पर पलटवार किया है।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला

भाजपा ने कांग्रेस पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, देखिए अपराध

का कांग्रेस कनेक्शन ये है रायपुर महापौर का मुँहलगा गोलीकांड का फरार आरोपी हीरा। वहीं हीरा जिसने केंद्रीय जेल के सामने गोलीकांड को अंजाम दिया। 5 साल में मिले कांग्रेसी संरक्षण ने इनका हौसला बुलंद कर दिया था। पर अब और नहीं, ऐसे अपराधियों पर अब विष्णु का सुदर्शन चलेगा।

हर अपराध के पीछे कांग्रेस की संलिप्तता

भाजपा के महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हर अपराध के पीछे कांग्रेस के संलिप्तता का आरोप लगाया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जवाब मांगा है।

कांग्रेस का पलटवार

इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, बीजेपी अपने पाप को बचाने के लिए कांग्रेस के ऊपर डालने से अच्छा है, कानून व्यवस्था दुरुस्त करे। कोई आरोपी किसी नेता के साथ फोटो खिंचवा लिया तो क्या उसके लिए वह जिम्मेदार है? बीजेपी के कई नेताओं के साथ हम भी फोटो दिखा देंगे। किसी बलात्कारी के साथ किसी नेता का फोटो है, किसी अपराधी के साथ किसी नेता का फोटो है। अपराधियों को बीजेपी के नेता और मंत्री पाल के रखे हैं।

जेल में बंद भाई से मिलने पहुंचे युवक पर गोली चलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के सेंट्रल जेल के सामने फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, शेख साहिल जेल में बंद अपने भाई से मिलने के लिए पहुंचा था। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर बदमाशों ने देसी कट्टा से साहिल पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सेंट्रल जेल के सामने फायरिंग की घटना पुरानी रंजिश को लेकर हुई है। साहिल जब जेल में बंद अपने भाई से मिलकर बाहर निकला, इसी दौरान बदमाशों ने उस पर हमला किया है। दरअसल, साहिल जब जेल में था, तो उसने साहिल नाम के ही एक युवक पर ब्लेड से हमला किया था। बदला की भावना से तीन बदमाशों में से एक बदमाश शानू महराज उर्फ शेख सहनवाज ने उस पर फायरिंग कर दी। इससे उसके गले पास लगी। साहिल संतोषी नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ टिकरापारा थाना में हत्या की कोशिश, एनडीपीएस, मारपीट के कई मामले दर्ज है। साहिल टिकरापारा थाना क्षेत्र का बदमाश है। मामले में पुलिस ने शेख शाहनवाज उर्फ शानू महाराज और शाहरूख को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद रायपुर से बाहर भागने के फिराक में थे कि उन्हें रायपुर और दुर्ग जिले के सीमा पर घेराबंदी कर दबोचा गया। इनके तीसरे साथी हीरा छुरा की तलाश में छापेमारी चल रही है। पुलिस के मुताबिक, साहिल का भाई शाहिद एनडीपीएस एक्ट में जेल में बंद है। साहिल जैसे ही मिलकर जेल परिसर के बाहर निकला मौके पर बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। आरोपियों ने साहिल को घायल कर मौके से फरार हो गए।

रायपुर दक्षिण चुनावः इस बार भी प्रचंड बहुमत से जीतेगी भाजपा

रायपुर। चुनाव की तारीख करीब आते-आते रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का सियासी माहौल गर्म होने लगा है। चुनाव को लेकर उत्साह से लबरेज स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि 40 साल से दक्षिण में बीजेपी जीत रही है। बीजेपी को कोई डर नहीं है। इस बार भी बीजेपी प्रचंड मतों से जीतेगी।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मीडिया से चर्चा में रायपुर दक्षिण में प्रचार के दौरान विधायक कवासी लखमा का डांस करते हुए वीडियो सामने आने पर कहा कि पारंपरिक त्योहार के समय नाच-गाना, उत्सव का माहौल है। कवासी लखमा अगर नाच रहे हैं तो कोई नई बात नहीं है, वह वैसे भी नाचते ही रहते हैं।

वहीं एक वोट की अपील पर कांग्रेसियों के तंज पर मंत्री ने कहा कि वे इस बात को नहीं समझते कि एक वोट की कीमत क्या है। एक वोट से विधानसभा का विधायक तय होता है, एक वोट से सरकार बनती है, इसलिए बीजेपी एक वोट की अपील कर रही है, कांग्रेस चाहती है कि हमारी योजनाएं चल नहीं पाए, एक वोट के दम पर योजना चल सकती है,

वहीं कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान रायपुर दक्षिण में प्रचार करने के सवाल पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि चाहे सचिन पायलट दौरा करें, या कोई और करे। इससे बीजेपी को फर्क नहीं पड़ता।

वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित होंगी महिला कृषक अदिती कश्यप

रायपुर। कवर्धा विकासखण्ड के ग्राम पालीगुड़ा की रहने वाली महिला कृषक अदिती कश्यप को कल उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ नया रायपुर में राज्योत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की उपस्थिति में वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित करेंगे।

अदिती कश्यप ने केवल 10वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। अदिती कश्यप के पति पुलिस विभाग में कार्यरत है, जो वर्तमान में अम्बिकापुर में पदस्थ हैं। लेकिन पिछले 18 वर्षों से अकेले रहते हुए पालीगुड़ा खार रानीसागर के पास 15 एकड़ में खेती बाड़ी का काम स्वयं करती हैं। गृहणी होकर भी रोजाना खेत जाती हैं। फसलों में धान, चना, गेहूं, मक्का के अलावा उद्यानकी फसल भी लेती हैं। अदिती कश्यप ने पर्यावरण सुरक्षा में सहभागिता निभाने हेतु खेत के मेड़ों का सदुपयोग करते हुए नींबू, चीकू, आम, जामून, अमरूद, सीताफल, कटहल आदि फलदार वृक्ष रोपित किये हैं, जिससे पर्याप्त आमदनी होती है। अदिती कश्यप ने 1 एकड़ में 30 क्विंटल धान उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, वह भी उस क्षेत्र में जहां पहले प्रति एकड़ केवल 11 क्विंटल धान उत्पादन होता था। अदिती कश्यप द्वारा बॉयर 6444 किस्म का श्री विधि से लगाई हुई धान के फसल की 135 दिन बाद कटाई हुई तो अदिती स्वयं अचंभित हो गई, इस पैदावार से प्रधानमंत्री भी प्रभावित हुए।

कर्नाटक में 2 जनवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कृषि कर्मण्य पुरस्कार के साथ 2 लाख रूपये और प्रशस्तिपत्र से सम्मानित हुई, इसके साथ ही राज्य स्तरीय कई अवार्डों से सम्मानित हुई। जब अदिती कश्यप ने खेती करना प्रारंभ किया तो लोग उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन खेती के प्रति उनका जूनून इस कदर था कि उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाया, अपने खेती के बदौलत अदिती कश्यप ने ट्रैक्टर, ट्रॉली, रोटावेटर एवं अन्य कृषि उपकरण लिये हैं। अदिती कश्यप की 3 बेटियाँ हैं, जिनमें से दो डॉक्टर व एक फार्मासिस्ट हैं। अदिती कश्यप का कहना है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर उनका साथ दे रहीं हैं, और एक नया आयाम हासिल कर रही हैं। आज स्थिती यह है, अदिती कश्यप अन्य महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत है, जिससे प्रेरणा लेकर आस पास की हजारों महिलाएं और पुरुष किसान प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से अदिती कश्यप के साथ जुड़कर परामर्श एवं मार्गदर्शन लेकर अपना जीवन बदल रहे हैं।

लोगों को लुभा रहा छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का मॉडल

रायपुर। नया रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का विहंगम दृश्य लोगों को रोमांचित कर रहा है। नया रायपुर के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में लोक निर्माण विभाग के स्टॉल में नए विधानसभा भवन और भिलाई के पॉवर हाउस में निर्मित फ्लाई ओवर के मॉडल को प्रदर्शित किया गया है। स्टॉल में इन दोनों निर्माणों से संबंधित जानकारियां भी दर्शाई गई हैं। यहां हाल के वर्षों में लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित प्रमुख भवनों, सड़कों और पुलों को भी प्रदर्शित किया गया है।

नया रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा का नया भवन 52 एकड़ में 273 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है। इसके सदन में सदस्यों की बैठक क्षमता 200 होगी। नए विधानसभा भवन के एक विंग में विधानसभा सचिवालय, दूसरे में विधानसभा का सदन, सेंट्रल-हॉल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का कार्यालय तथा तीसरे विंग में मंत्रियों के कार्यालय होंगे। यहां 500 दर्शक क्षमता का ऑडिटोरियम भी बनाया जाएगा। 700 कारों की पार्किंग क्षमता वाले परिसर में डेढ़-डेढ़ एकड़ को दो सरोवरों का निर्माण भी प्रस्तावित है। राज्योत्सव में इसके मॉडल को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एक साथ कराने की तैयारी में राज्य सरकार!

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ करा सकती है। इसके लिए नियमों में संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम (संशोधन) अध्यादेश 2024 में प्रकाशित किया है। सरकार ने यह कदम आईएएस ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी की सिफारिश के आधार पर उठाया है।

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कार्यकाल पूरा होने से पहले ही नया चुनाव करना होता था, अब नए संशोधन के बाद 6 महीने के समय के लिए राज्य सरकार व्यवस्था बनाकर कार्य का संचालन कर सकती है। इस 6 महीने के भीतर नया चुनाव करना अनिवार्य है। इसके साथ राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना के मुताबिक, निर्वाचक नामावली में यदि त्रुटि हो तो उसे संशोधित किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ आयोजित करने के लिए आईएएस ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। जानकारों के मुताबिक, कमेटी ने राज्य सरकार को अपनी सिफारिश पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ कराए की सिफारिश की थी।

कमेटी ने रिपोर्ट में कहा कि इससे धन की बचत के साथ ही विकास कार्यों में तेजी आएगी। दोनों चुनाव अलग-अलग कराने से आचार संहिता भी दो बार लगानी पड़ेगी। इससे विकास के काम प्रभावित होंगे, मैन पॉवर भी ज्यादा लगेगा। दोनों चुनाव एक साथ कराने से इन सबकी बचत होगी।

2019-20 में हुआ था चुनाव

पिछला नगरीय निकाय चुनाव 2019-20 में हुआ था। राज्य के 27 जिलों के 151 निकायों के 2840 पार्षदों के चुनाव के लिए 21 दिसंबर 2019 को मतदान हुआ था, और 24 दिसंबर को परिणाम घोषित किए गए थे। वहीं 20 दिसंबर 2020 को 15 नगरीय निकायों के 370 वार्डों में आम चुनाव हुआ था। 16 नगरीय निकायों के 17 वार्डों में उपचुनाव हुआ था। इसके अलावा राज्य के 146 जनपद पंचायतों में स्थित त्रिस्तरीय पंचायतों में 400 जिला पंचायत सदस्य, 2979 जनपद पंचायत सदस्य, 11636 सरपंच और 160350 पंच पद के लिए चुनाव हुआ था।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों की स्थिति

छत्तीसगढ़ में कुल निकाय - 184
छत्तीसगढ़ में कुल नगर निगम - 14
छत्तीसगढ़ में नगर पालिका परिषद्- 48
छत्तीसगढ़ में कुल नगर पंचायत - 122

रायपुर दक्षिण उपचुनाव : होम वोटिंग की हुई शुरुआत

बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर पहुंचा मतदान दल

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव 2024 के तहत आज से होम वोटिंग शुरू हो गई है। मतदान दल अब 85 से अधिम उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के घर पहुंचकर वोटिंग करा रहा है। होम वोटिंग की 5 से 7 नवंबर तक सुविधा रहेगी।

मतदान रथ आज मालवीय रोड स्थित 98 वर्ष की विटाना गुप्ता के पहुंचा। उन्होंने अपने घर पर ही बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया। वोटर गुप्ता बताती हैं कि वे हमेशा से निर्वाचन के दौरान मतदान करती रही है। उम्र अधिक होने की वजह से अब मतदान केंद्र तक जाने-आने में काफी दिक्कतें होती है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से शुरू की गई होम वोटिंग की सुविधा काफी लाभदायी है। वे बताती है कि यह बहुत अच्छी सुविधा है कि घर पर ही वोटिंग की सुविधा मिल रही है। इससे बुजुर्गों को भी तकलीफें नहीं होगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

दिव्यांग मतदाता टिकरापारा निवासी हेमंत बर्छिहा ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि चलने-फिरने में बहुत तकलीफें होती है। ऐसे में मतदान घर पर होना बहुत ही अच्छी बात है कि दिव्यांगों को मतदान के लिए दिक्कतें नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग का भी बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि घर पर ही मतदान करने का अवसर प्राप्त हुआ। वे बताती है कि पहले निर्वाचन के दिन में मतदान केंद्र तक आने-जाने में असमर्थता होती थी, लेकिन घर पर मतदान करके बहुत खुशी मिली।

नयापारा निवासी रूकमणी बाई तिवारी ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि उम्र अधिक होने से मतदान केंद्र में आने-जाने में दिक्कते होती थी, लेकिन घर पर आज मतदान दल पहुंचा और तत्काल मतदान सफल रूप से हो गया। इससे मुझे भी बहुत खुशी हुई। बंजारी माता चौक निवासी 85 वर्ष से अधिक उम्र की मतदाता कमला साहू ने भी अपने घर पर ही मतदान किया।

छत्तीसगढ़ नान घोटाला: दो रिटायर्ड आईएएस अधिकारी और पूर्व एडवोकेट जनरल के खिलाफ एफआईआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ एसीबी ने कथित नागरिक पूर्ति निगम (नान) घोटाले में जांच को प्रभावित करने के लिए अपने पदों का कथित रूप से दुरुपयोग करने के आरोप में दो सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों और एक पूर्व राज्य महाधिवक्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि ईडी की तरफ से उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट और दस्तावेजों के आधार पर पूर्व आईएएस अधिकारियों अनिल टुटेजा, आलोक शुक्ला और पूर्व एडवोकेट जनरल सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ सोमवार को एफआईआर दर्ज की गई।

ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि तीनों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 182, 211 (चोट पहुंचाने के इरादे से अपराध का झूठा आरोप लगाना), 193 (झूठे साक्ष्य), 195 ए (किसी व्यक्ति को झूठा साक्ष्य देने के लिए धमकाना), 166 ए (लोक सेवक द्वारा कानून के तहत निर्देश की अवहेलना) और 120 बी (आपराधिक साजिश) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एफआईआर में ये भी कहा गया कि ईओडब्ल्यू और

ईडी की तरफ से दर्ज मामलों के आधार पर आयकर विभाग ने टुटेजा और शुक्ला के खिलाफ व्हाट्सएप चैट सहित कुछ डिजीटल साक्ष्य एकत्र किए थे, जिनसे पता चला है कि दोनों ने न केवल ईडी की जांच को विफल करने के कई प्रयास किए, बल्कि एसीबी/ईओडब्ल्यू के मामले में रायपुर की एक अदालत में उनके खिलाफ चल रहे मुकदमे को प्रभावित करने के लिए तत्कालीन छत्तीसगढ़ सरकार के नौकरशाहों और संवैधानिक अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में थे।

ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि आलोक शुक्ला साल 2018 से 2020 के बीच राज्य में प्रमुख सचिव के रूप में तैनात रहे। अनिल टुटेजा साल 2019 से 2020 के बीच संयुक्त सचिव रहे। दोनों छत्तीसगढ़ के तत्कालीन भूपेश सरकार में प्रभावशाली अधिकारी बनाए गए। एफआईआर में कहा गया कि 2019 से सरकार के संचालन, नीति निर्माण और अन्य कार्यों में उनका गहरा हस्तक्षेप था। सभी प्रमुख पदों पर पोस्टिंग और तबादलों में सीधा हस्तक्षेप था।

एफआईआर में ये भी कहा गया कि नान घोटाले में व्हाट्सएप चैट और दस्तावेजों की जांच में ये पता चला है कि साल 2019 से 2020 तक शुक्ला और टुटेजा ने कथित तौर पर अपने-अपने पदों का दुरुपयोग किया और तत्कालीन महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा को अनुचित लाभ दिया। वर्मा के साथ मिलीभगत कर दोनों अधिकारियों ने ईओडब्ल्यू से संबंधित प्रक्रियात्मक और विभागीय दस्तावेजों और सूचनाओं में बदलाव करके कथित तौर पर आपराधिक साजिश रची।

आरोपियों ने एसीबी/ईओडब्ल्यू मामले में अग्रिम जमानत का लाभ लेने के लिए अपने खिलाफ दर्ज मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में पेश किए जाने वाले जवाबों को अपने पक्ष में तैयार करवाने की कोशिश की। एफआईआर में ये भी कहा गया कि उन्होंने ईओडब्ल्यू के तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर मामले के गवाहों पर अपने बयान बदलने के लिए दबाव डाला।

कथित घोटाला फरवरी 2015 में उजागर हुआ था। जब एसीबी/ईओडब्ल्यू ने नान के 25 परिसरों पर एक साथ छापे मारे थे। इस दौरान कुल 3.164 करोड़ रुपये कैश जब्त किया गया। छापे के दौरान इकट्ठा किए गए चावल और नमक के कई नमूनों की गुणवत्ता की जांच की गई, जिसके बाद दावा किया गया कि वे घटिया और मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त हैं। बाद में, एसीबी ने मामले में 18 लोगों को आरोपी बनाया, जिनमें तत्कालीन राज्य सरकार के अधिकारी टुटेजा और शुक्ला भी शामिल थे।

साल 2019 में, ईडी ने घोटाले में छत्तीसगढ़ के एसीबी/ईओडब्ल्यू की तरफ से दायर एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की। इस साल अप्रैल में, ईडी ने छत्तीसगढ़ में कथित 2,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में टुटेजा को गिरफ्तार किया था।

महाराष्ट्र में शरद पवार की आखिरी लड़ाई

प्रभु चावला

महाविकास अगाड़ी और महायुति के बीच महाराष्ट्र का अनोखा महाभारत तीन प्रमुख दलों के बीच अवसरवाद, विश्वासघात, और राजनीतिक भ्रातृहत्या के युद्ध के मैदान पर लड़ा जा रहा है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले अगाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कमान वाली महायुति है, जिसमें भाजपा और अजीत पवार की अलग हुई एनसीपी शामिल है। जो भी जीते, फैसला उन दो दिग्गजों के लिए बेहद अहम होगा, जिनकी राजनीति पर अमिट छाप है। वे परिस्थितियों के चलते दुश्मन हैं और आपसी सम्मान के कारण दोस्त हैं। महाराष्ट्र चुनाव शरद पवार और नरेंद्र मोदी के बीच सीधी लड़ाई है। पूरी संभावना है कि पवार की यह आखिरी लड़ाई होगी। मोदी के करिश्मे की पूर्ण वैधता के लिए भी यह महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। पवार को यह साबित करना कि वे सर्वश्रेष्ठ और ताकतवर मराठा हैं। अपने रिश्तेदारों और भरोसेमंद चाटुकारों द्वारा धोखा दिये जाने के बाद पवार का प्रतिशोध 26 साल पहले उनके द्वारा स्थापित एनसीपी के प्रभाव को बहाल करने के लिए है। वे एक घायल बाघ हैं, जो नियति पर गुर्रा रहा है और अपनी गुफा से बाहर आने के लिए तैयार है। शिकारी बताते हैं कि घायल शेर से ज्यादा खतरनाक कुछ नहीं होता। पवार अपने घावों को चाट नहीं रहे हैं, बल्कि अपने दुश्मनों को धूल चटाने की रणनीति बना रहे हैं। मूलत: कांग्रेसी और पसंद से वंशवादी पवार इस उम्मीद में प्रभावी उत्तराधिकारी तैयार नहीं कर पाये कि बेटी सुप्रिया सुले इस काम के लिए सक्षम होंगी। सुप्रिया के भविष्य को बचाये रखने के लिए उन्हें एमवीए को फिर से सत्ता में लाना होगा। उन्होंने कुछ समय पहले 30 सांसदों को जीताकर अपना जनाधार साबित किया है। वे लगातार सभाएं और बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने गठबंधन को एकजुट रखा है और अपने खेमे में दलबदल को रोका है। आज सबसे साधन-संपन्न नेता माने जाने वाले पवार के सामने 288 सदस्यों की विधानसभा में 150 से ज्यादा सीटें जीतने की बड़ी चुनौती है। उन्होंने एमवीए सहयोगियों के लिए लगभग बराबर सीटें हासिल कर पहला दौर जीत लिया है। चुनाव में किंग-मेकर की उनकी हैसियत दांव पर है। पवार एक दुर्लभ राजनीतिक प्रजाति हैं। उनके छह दशक लंबे करियर के अंतिम चरण में भी उन्हें परिभाषित नहीं किया जा सकता। उम्र और तकलीफों ने उन्हें धीमा कर दिया है, पर उनका तेज दिमाग पहले की तरह ही है। वे भारत के सबसे समृद्ध राज्य में मोदी की बढ़त रोकने और भाजपा को विंध्य के उत्तर में वापस धकेलने के लिए पूरे विपक्ष का नेतृत्व कर रहे हैं। पवार जन्म से मराठा और आस्था से असली कांग्रेसी हैं। उन्होंने भले ही अपने राजनीतिक साथियों को आधा दर्जन से ज्यादा बार बदला हो, पर महाराष्ट्र के अति-विभाजनकारी और ध्रुवीकृत परिदृश्य में वे अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जो सबको एक सूत्र में पिरोते हैं। खराब स्वास्थ्य के कारण उनकी आवाज कमजोर हो गयी है, फिर भी उनकी फुसफुसाहट शेर की दहाड़ से ज्यादा तेज होती है। लोकसभा में चंद सीटें होने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें बहुत प्रभावशाली माना जाता है। वे एकमात्र क्षेत्रीय नेता हैं, जिनकी छवि राष्ट्रीय नेता की है। वे प्रभावी प्रशासक हैं। उनका कोई विरोधी किसी भी प्रतिकूल स्थिति को अवसर में बदलने की उनकी क्षमता और समझ पर सवाल नहीं उठा सकता। साल 2019 में पवार ने एक असंभव गठबंधन बनाकर भगवा जबड़े से जीत छीन ली थी। भाजपा और शिवसेना ने साथ चुनाव लड़ कर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। पर पवार ने उनके बीच दरार का फायदा उठा कर ऐसी सरकार बनायी, जिसमें एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस शामिल थे। पवार की खासियत यह है कि वे कट्टर दुश्मनों को भी गले लगाने की क्षमता रखते हैं क्योंकि उनके सौम्य राजनीतिक आचरण और गरिमापूर्ण विनम्रता से विश्वसनीयता और प्रशंसा पैदा होती है। वे अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करते, न ही सार्वजनिक रूप से गुस्सा करते हैं। पवार के फॉर्मूले को न तो दोस्त समझ पाये हैं और न विरोधी।

भारत के लिए वैश्विक स्तर पर बदल रहे हैं समीकरण

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां, विशेष रूप से राजनैतिक, रणनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में, तेजी से बदल रही हैं। नए नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। जी-7, जी-20 एवं नाटो के सामने ब्रिक्स अपने पांव पसारता नजर आ रहा है। अमेरिका के साथ साथ यूरोपीयन देश अपनी चमक खो रहे हैं। इन देशों को विकसित देश तो कहा ही जाता रहा हैं, साथ ही, वैश्विक स्तर पर कई संगठनों को खड़ा करने में इन देशों की महत्वपूर्ण भूमिका भी रही है और इन संगठनों की मदद से इन देशों का दबदबा भी पूरे विश्व में कायम रहता आया है। यूनाइटेड नेशनस, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, नाटो, फाइव आइज, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन, जी-7 एवं जी-20 जैसे अन्य कई संगठनों के माध्यम पूरे विश्व में ही लगभग प्रत्येक क्षेत्र को यह विकसित देश प्रभावित एवं नियंत्रित करते रहे हैं। परंतु, आज दक्षिणी अफ्रीकी उपमहाद्वीप के देशों, मध्य एशिया में अरब देशों एवं भारतीय उपमहाद्वीप स्थित देशों ने उक्त संगठनों में सुधार कार्यक्रम लागू करने के लिए आवाज उठाना शुरू कर दिया है। उक्त वर्णित लगभग समस्त अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना 1900-2000 शताब्दी में की गई थी। इतने लम्बे अंतराल के बाद भी विश्व के अन्य देशों को इन संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान नहीं की गई है। कुल मिलाकर, अमेरिका एवं यूरोपीयन देशों का दबदबा इन संगठनों की स्थापना के बाद से ही लगातार कायम रहा है।

भारत सदैव से ही एक शांतिप्रिय देश रहा है और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास करता आया है। इन्हीं कारणों के चलते भारत के लगभग समस्त देशों से अच्छे सम्बंध रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस और यूक्रेन दोनों ही देश युद्ध को समाप्त करने में भारत की मदद चाहते हैं तो उधर इजराईल-हमास/लेबनान/ईरान युद्ध में ये समस्त देश भी युद्ध को समाप्त करने में भारत की मदद चाहते हैं। दूसरी ओर, ग्लोबल साउथ सहित कई अफ्रीकी देश भी आज भारत का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार हैं। इन परिस्थितियों के बीच वैश्विक स्तर पर यह मांग बहुत जोर पकड़ती जा रही है कि भारत को यूनाइटेड नेशन्स की सुरक्षा समिति में स्थाई सदस्यता प्रदान की जाए। परंतु रूस, अमेरिका, फ्रांस एवं अन्य वीटो प्राप्त देशों द्वारा भारत का समर्थन किए जाने के बावजूद यह कार्य सम्पन्न नहीं हो पा रहा है क्योंकि चीन नहीं चाहता कि भारत सुरक्षा समिति का स्थाई सदस्य बने और वीटो प्राप्त करने का अधिकारी बने।

उक्त संगठनों के इत्तर हाल ही में सम्पन्न हुई ब्रिक्स समूह देशों की बैठक में रूस, भारत एवं चीन की तिकड़ी बनती हुई दिखाई दे रही है। इस तिकड़ी द्वारा ब्रिक्स समूह की बैठक में लिए गए कुछ निर्णयों के चलते यदि भारत, रूस एवं चीन के बीच बदलते राजनीतिक एवं रणनीतिक सम्बंध इसी प्रकार आगे बढ़ते हैं तो इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर रणनीतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक क्षेत्र पर भी पड़ेगा और आगे आने वाले दिनों में भारत के आर्थिक परिदृश्य में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। आज विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिकी का भारत के साथ सबसे अधिक व्यापार होता है। दूसरे स्थान पर चीन है। विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से भारत द्वारा किए जाने वाले तेल के आयात में, रूस से तेल के आयात में बहुत अधिक वृद्धि दर्ज हुई है इससे रूस के साथ भी भारत का विदेशी व्यापार तेजी से आगे बढ़ा है। इसके पूर्व तक भारत का विदेशी व्यापार यूरोपीयन देशों एवं अमेरिका के साथ ही अधिक मात्रा में होता आया है, परंतु हाल ही समय में इसमें कुछ परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि एक तो यूरोपीयन देशों की आर्थिक वृद्धि दर कम हो रही है और दूसरे भारत को अपने विदेशी व्यापार में वृद्धि करने हेतु अब नए बाजार की तलाश करना आवश्यक हो गया है। दक्षिणी अफ्रीकी देश, मध्य एशिया के अरब देश, भारतीय उपमहाद्वीप में स्थित देश एवं चीन आदि देशों के रूप में भारत के उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हो सकता है। इस प्रकार, चीन के साथ हुए हाल ही के समझौते से केवल दोनों देशों के बॉर्डर पर ही शांति स्थापित नहीं होगी बल्कि चीन सहित अन्य पड़ौसी देशों के साथ भी भारत के सम्बंध सुधर सकते हैं। अत: भारत, रूस एवं चीन की दोस्ती यदि इसी प्रकार मजबूत होना आगे भी जारी रहती है तो पश्चिमी देशों का दबदबा अब विश्व में कम हो सकता है।

भारत की नीतियों के चलते भारत के विचारों को विश्व के समस्त देश अब गम्भीरता से लेने लगे हैं। भारत वैसे भी विश्व मित्र की भूमिका का निर्वहन करना चाहता है। भारत के आज विश्व के समस्त प्रभावशाली देशों के साथ प्रगाढ़ सम्बंध है। हां, कुछ देशों जैसे चीन के साथ कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाना शेष हैं परंतु भारत की संघर्ष जैसी स्थिति किसी भी देश के साथ नहीं है। कुछ देशों के साथ हमारी प्रतिस्पर्धा जरूर है परंतु शत्रुता नहीं है। अभी हाल ही में जून 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री ने इटली में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लिया था, जुलाई 2024 माह में प्रधानमंत्री रूस में थे एवं रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन के साथ यूक्रेन युद्ध को हल करने एवं अन्य विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा में व्यस्त रहे। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री यूक्रेन में पहुंचे एवं यूक्रेन के रूस के साथ युद्ध को हल करने सम्बंधी प्रयासों को गति देने का प्रयास किया। सितम्बर 2024 में प्रधानमंत्री अमेरिका पहुंचें एवं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुलाकात की एवं क्वाड सम्मेलन में जापान, आस्ट्रेलिया, एवं अमेरिका सहित भाग लिया। भारत के प्रधानमंत्री अक्टोबर 2024 में पुन: रूस में ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। अक्टोबर माह में ही जर्मन के चांन्सलर भारत में पधारे। देखिए, विश्व के मई महत्वपूर्ण मंचों पर आज भारत अपनी उपस्थिति मजबूत तरीके से दर्ज कराता हुआ दिखाई दे रहा है। जी-7, क्वाड एवं ब्रिक्स सभी सम्मेलनों में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्टत: दिखाई दे रही है। आज विश्व के समस्त प्रभावशाली देश भारत के साथ अपने सम्बन्धों को प्रगाढ़ करना चाहते हैं क्योंकि भारत का आर्थिक विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तेज गति से हो रही इस आर्थिक प्रगति के कारण भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है और भारत पूरे विश्व में एक बहुत बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है तथा ये देश भारत में अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना चाहते हैं। दूसरे, भारत में कुशल एवं युवा नागरिकों की पर्याप्त उपलब्धता है जिसका उपयोग विश्व के अन्य देश भी करना चाहते हैं। तीसरे, भारत आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है एवं सुरक्षा की दृष्टि से भी बहुत शक्तिशाली देश बन गया है, भारत ने बहुत अच्छे स्तर पर अपनी मिलिटरी क्षमता को विकसित किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ सम्बंध अच्छे नहीं है, साथ ही कोविड महामारी के दौरान चीन का व्यवहार विश्व के अन्य देशों के साथ ठीक नहीं रहा है, सप्लाई चैन पर आधारित कम्पनियों में समस्या खड़ी हुई थी जिससे लगभग पूरे विश्व में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव पड़ा था। अत: विशेष रूप से विकसित देशों ने चीन+1 की नीति का अनुसरण करना प्रारम्भ किया है जिसका सबसे अधिक लाभ भारत को होने जा रहा है और ये देश भारत में अपने निवेश को बढ़ा रहे हैं एवं भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना कर रहे हैं। उक्त कारणों के अतिरिक्त, भारत में स्थिर लोकतंत्र, स्थिर आर्थिक व्यवस्था, स्थिर सरकार एवं भारत के एक शांतिप्रिय देश होने के चलते भी अन्य देशों से निवेशक आज भारत की आकर्षित हो रहे हैं। इस प्रकार आज विश्व के लगभग समस्त शक्तिशाली देश भारत के साथ मजबूत सम्बंध स्थापित करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

भारत ने भी पिछले वर्ष, अपनी अध्यक्षता में, जी-20 समूह में कुछ अफ्रीकी देशों को शामिल कर अफ्रीकी महाद्वीप के समस्त देशों को प्रभावित करने में सफलता प्राप्त की थी। इन देशों पर इसका बहुत अच्छा असर भी हुआ था। भारत आज विश्व के कई समूहों में अन्य देशों की बीच सेतु के रूप में उभर रहा है। जी-7 से लेकर ब्रिक्स देशों के समूहों में भारत उपस्थित है, रूस एवं यूक्रेन दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने में भारत प्रभावशाली भूमिका निभा सकने की स्थिति में हैं। इसी प्रकार, इजराईल एवं ईरान के बीच भी मध्यस्थता की भूमिका निभाने को भारत तैयार है। भारत को विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने मजबूत होते रिश्तों को भारत के विदेश व्यापार में वृद्धि करने के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्याय:

गतांक से आगे...

सो यथापूर्व ही पुराण है और उनका सम्यक् संस्मरण हो जाने के बाद अकल्पयत का परिणाम है महामहिम वेद। यही तत्त्व उपयुक्त श्लोक में निहित है।

प्रकृतं प्रसङ्ग में इसका सीधा रहस्य यह है कि कोई भी वेदाचार्य तभी अपने शिष्य को मन्त्रोपदेश प्रदान करेगा जबकि पहिले उसे विनियोग बताएगा और विनियोग भी पूर्वरीति से तभी समझ में आ सकेगा जब कि ऋषि देवताओं के चरित्रों का परिज्ञान हो जायगा।

इस प्रकार पुराण पढ़ने के बाद ही वेदों के स्वाध्याय का अवसर आ सकता है, अत: उपर्युक्त श्लोक में ब्रह्मा जी द्वारा प्रथम पुराण का स्मरण करना और तत्पश्चात् वेदों का कथन करना युक्तिसंगत ही प्रतीत होता है। इसलिए निश्चित हुआ कि पुराणों की मौलिक सामग्री के श्रादिम स्मर्ता श्री ब्रह्मा जी महाराज हैं और उसका प्रवचन करने वाले हैं ब्रह्मा जी के मानसिकपुत्र मन्त्रद्रष्टा ऋषि लोग। जैसा कि महर्षि वात्स्यायन जी लिखते हैं:- य एव मन्त्रब्राह्मणस्य द्रष्टार: प्रवक्ता रश्च ते खलु इतिहासपुराणस्य। (न्यायदर्शनभाष्य 4।1।62)

अर्थात्- जो ऋषि मन्त्रब्राह्मणात्मक वेद के द्रष्टा हैं वे ही इतिहास और पुराण के प्रवक्ता हैं। कहना न होगा कि इस प्रकार वेद और पुराणों का प्राप्तिक्रम समान ऋषियों पर ही अवलम्बित है। जो लोग पुराणों को कोसते नहीं थकते और वेदों की ढपली पीटने का स्वांग रचते हैं उन्हें आंख उघाड़ कर उपर्युक्त पंक्तियें पढ़नी चाहियें। अर्थसमाज के कथनानुसार अग्नि, वायु, रवि और अंगिरा नामक चार ऋषियों द्वारा ही वेदों की प्राप्ति मान लेने पर भी- उनके द्वारा दृष्ट मन्त्र तो प्रमाण और कथित पुराण अप्रमाण इस मतवाले की बहक को कोई भी बुद्धिमान् मानने को तैयार न होगा!

क्रमश: ...

धनेश्वर कुबेर कैसे हुए शाप से मुक्त

आशुतोष गर्ग

पांडवों का वनवास-काल चल रहा था। एक दिन द्रौपदी ने टहलते हुए देखा कि हवा से उड़कर एक अद्भुत कमल पुष्प उसके निकट पड़ा था। उसकी सुवास ने द्रौपदी का मन मोह लिया। द्रौपदी के मन में उसी तरह के और पुष्प प्राप्त करने की इच्छा उत्पन्न हो गई। उन्होंने भीम से वैसे ही और पुष्प लाने का अनुरोध किया। भीम, द्रौपदी से बहुत प्रेम करते थे। वह द्रौपदी की बात टाल नहीं पाए और कमल की खोज में निकल पड़े। कुछ देर भटकने के बाद भीम को एक बड़ा-सा सरोवर दिखा, जिसमें वैसे ही कमल पुष्प तैर रहे थे, जैसे उन्हें चाहिए थे। वह पुष्प लेने के लिए तुरंत सरोवर में उतर गए। तभी उन्होंने देखा कि बहुत-से यक्ष उनकी ओर दौड़े आ रहे थे। यक्ष निकट आए, तो उनमें से एक ने भीम से पूछा, 'कौन हो? यहां क्यों आए हो?'

'मैं महाराज पांडु का पुत्र भीम हूं और अपनी पत्नी द्रौपदी के लिए ये पुष्प लेने आया हूं,' भीम ने निडरता से उत्तर दिया। यक्ष बोला, 'यह यक्षराज कुबेर का सरोवर है। यहां से पुष्प लेने के लिए महाराज कुबेर से अनुमति लेनी होगी।' भीम को अपनी शक्ति पर घमंड था। उन्होंने आवेश में कहा, 'सरोवर से पुष्प लेने के लिए अनुमति कैसी? कौन रोकेगा मुझे?'

भीम का व्यवहार देखकर यक्षों ने मिलकर भीम पर हमला कर दिया। यक्षों और भीमसेन में भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें बहुत-से यक्ष घायल हो गए और कई मारे गए। यह समाचार कुबेर के मित्र एवं सेनापति मणिमान तक पहुंच गया। वह अपने अस्त्र-शस्त्र लेकर भीम से युद्ध करने के लिए आ गया। दोनों में घमासान युद्ध हुआ लेकिन मणिमान भी भीम के सामने टिक नहीं पाया। भीम ने गदा के वार से मणिमान को यमलोक पहुंचा दिया। मणिमान की मृत्यु के बारे में सुनकर कुबेर भीम से मिलने सरोवर पर आए। 'यक्षराज! आपकी सेना को इतनी भारी क्षति पहुंची है, फिर भी आप प्रसन्न कैसे हैं?' युधिष्ठिर ने पूछा।

कुबेर ने कहा, 'युधिष्ठिर! मणिमान और इन यक्षों की मृत्यु तो बहुत पहले ही महर्षि अगस् त्य के शाप के कारण निश्चित हो गई थी। भीम तो केवल निमित्त मात्र हैं। मैं प्रसन्न इसलिए हूं, क्योंकि भीम के द्वारा मणिमान की मृत्यु से मैं शाप से मुक्त हो गया हूं!'

'वह कैसे?' युधिष्ठिर ने आश्चर्य से पूछा।

कुबेर बोले, 'एक बार मुझे इंद्र-सभा का निमंत्रण मिला था। मैं और मणिमान, कुछ यक्षों के साथ आकाश-मार्ग से जा रहे थे। हमने ऊपर से देखा कि महर्षि अगस्त्य नदी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दे रहे थे। तभी मणिमान को शरारत सूझी। उसने ऊपर से ही महर्षि अगस्त्य पर थूक दिया! अगस्त्य को क्रोध आ गया। वह ऊपर देखते हुए मणिमान से बोले-'मणिमान! तुमने मेरा अपमान किया है। मैं शाप देता हूं कि तुम और तुम्हारे अन्य साथी यक्ष, शीघ्र ही एक मनुष्य के हाथों मारे जाओगे!' अगस्त्य के शाप से घबराकर मैंने महर्षि से क्षमा मांगी, तो उनका क्रोध बढ़ गया और उन्होंने मुझे भी शाप दे दिया, 'कुबेर! तुम अपने मित्र को समझाने के बजाय उसका साथ दे रहे हो।

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और

जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है, गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।

पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंतत: वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरूपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बंटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। होसबोले ने कहा है कि 'कटेंगे तो बंटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है। हिंदू एकता व्यापक मानवीय एकता के लिए है। जो देश के सर्वोत्तम हित में है। लगे हाथों होसबोले ने चेतावनी भी दी कि हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश में कई ताकतें जुटी हैं, जिनको हटाने के लिए संघ और समाज सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आखिर में नहीं भूलना चाहिए कि हिंदू एकता समाज और जन कल्याण का भी महत्वपूर्ण टूल है। अंतर सिर्फ इतना है कि राजनीति इस टूल को तोड़ने की कोशिश करती है और संघ इसे बचाने का।

आज का इतिहास

1944 हैनफोर्ड एटॉमिक फेसिलिटी में पहली बार प्लूटोनियम का उत्पादन किया गया।
1945 पहली बार एक जेट विमान एफ आर-1 फायरबॉल एक विमानवाही पोत यूएसएस वेक आईलैंड पर उतरा।
1962 राष्ट्रीय रक्षा परिषद की स्थापना हुई।
1963 गुयेन नोंग थो को जनरल डुओंग वान मिन्ह के सैन्य जुंटा द्वारा दक्षिण वियतनामी सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था, पांच दिन बाद बाद के राष्ट्रपति नोगे दीम दीम को हटा दिया गया और उनकी हत्या कर दी गई।
1973 नासा के अंतरिक्षयान पॉयनीयर 10 ने बृहस्पति ग्रह के चित्र लेना शुरू किया।
1977 अमेरिका के जॉर्जिया के स्टीफंस काउंटी में केली बार्न्स डैम ढह गया और इसके परिणामस्वरूप बाढ़ ने 39 लोगों की जान ले ली और नुकसान में 2.8 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।
1990 नवाज शरीफ़ को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई।
1995 17 वीं से 19 वीं शताब्दी तक शाही महल के रूप में काम करने वाले एंटानानारिवो के मेडागास्कर के रोवा को आग से नष्ट कर दिया गया था।
2004 आत्महत्या करने का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति ने अपनी कार को इंग्लैंड के बर्कशायर के उफटन नर्वट में रेलवे पटरियों पर पार्क कर दिया, जिससे एक पटरी से उतरने से सात लोगों की मौत हो गई।
2004 रूस ने क्योटो करार की पुष्टि की।
2005 रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2005 के फ्रांसीसी दंगों की दसवीं रात अब तक की सबसे गंभीर घटना है। फ्रांस के राष्ट्रपति जैक्स शिराक ने दंगाइयों को हिरासत में लेने और दंडित करने के लिए कहा है।
2006 बम विस्फोट मेक्सिको की संघीय इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल में होता है, जो एक विपक्षी पार्टी का मुख्यालय है और राजधानी में एक बैंक में भी होता है।
2007 अधिकारियों के अनुसार उत्तरी अफगानिस्तान में हुए एक आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 35 लोग मारे गए और कई घायल हुए हैं।
2008 अधिकारियों के अनुसार, एक विस्फोट में कम से कम 11 लोगों की मौत हो जाती है जो उत्तरी काकेशस रूस में एक मिनीबस पर सवार थे।
2010 अर्मेनिया और अजरबैजान मृत सैनिकों और एक नागरिक के शवों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ आए।

25वें वर्ष को छूता छत्तीसगढ़ : कला-साहित्य जगत में बढ़ता छत्तीसगढ़

विजय मिश्रा 'अमित'

सात राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़ राज्य जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदाओं सहित विविध कलाओं से समृद्ध राज्य है। राज्य बनने के पूर्व यहां की सांस्कृतिक गतिविधियां, धरोहर, उपेक्षित थे। यहां के कलाकारों को छोटी मोटी प्रस्तुतियों के लिए भोपाल मध्यप्रदेश का मुंह ताकना पड़ता था, किंतु राज्य गठनोपरांत छत्तीसगढ़ को हरेक दृष्टि से पृथक पहचान मिली।

किसी भी राज्य की पहचान वहां की कला, संस्कृति, साहित्य ही होती है। इसे चरितार्थ करते हुए छत्तीसगढ़ के खान-पान, पहनावा, रीति रिवाज और पर्यटन स्थल को भारत के मानचित्र पर और विदेशों में तेजी से प्रचारित- प्रसारित- स्थापित होने का अभूतपूर्व अवसर पच्चीसवें वर्ष को छूते छत्तीसगढ़ को मिला। पच्चीसवें पायदान पर पग धरते छत्तीसगढ़ की कला- संस्कृति- साहित्य- सिनेमा जगत की दशा दिशा पर परिचर्चा में शामिल विद्वजनों ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी।

उम्रदराज कलाकारों की सुध ले सरकार : रमा दत्त जोशी

सास गारी देवय ननद चुटकी लेवय ससुरार गोंदा फूल गाने की लोकप्रिय गायिका रेखा -रमा- प्रभा दत्त जोशी बहिनों के नाम से ख्याति प्राप्त वरिष्ठ लोकगायिकाओं से रमा जोशी कहती हैं -हर्ष की बात है कि राज्य गठनोपरांत राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन छत्तीसगढ़ में होने लगा है। यहां के कलाकार आए दिन राज्य के बाहर लोक नृत्यों का प्रदर्शन करके छत्तीसगढ़ की धरा को गौरवान्वित कर रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विशिष्ट जनों को राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष राज्योत्सव पर पुरस्कृत करने की गौरवशाली परंपरा भी आरंभ हुई है। पुरस्कार प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप न लगे इस हेतु पुरस्कार की पात्रता, नियमों और शर्तों में और अत्यधिक स्पष्टता- पारदर्शिता लाने की आवश्यकता है। पुरस्कार हेतु उम्रदराज हो चले सुपात्रों को प्राथमिकता देने के अलावा आर्थिक मदद, स्वास्थ्य संबंधी सेवा सुविधाओं में वृद्धि की भी आवश्यकता है। विश्व धरोहर नाचा से नव पीढ़ी अवगत हो इसके लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होना चाहिए। लोकगीतों में नयापन के नाम पर भौंडापन घातक है।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों को मिले शासकीय अनुदान : नीतिश लहरी

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के लेखक एवं निर्देशक नीतीश लहरी कहते हैं कि-राज्य गठनोपरांत छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माण की दिशा में उत्साहजनक प्रगति हुई है। छत्तीसगढ़ी सिनेमा को छालीवुड के नाम से प्रसिद्धि मिली है। वर्ष 1965 में बनी मनु नायक की पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म कहि देबे संदेश से आरंभ हुई फिल्मी यात्रा के अधखुले द्वार को पूरी तरह से खुलने का अवसर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद मिला है। छत्तीसगढ़ी फिल्मों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में हुआ और मनोज वर्मा निर्देशित फिल्म भूलन कांदा को पुरस्कृत होने का गौरव भी मिला। वर्तमान में सर्वाधिक सफल फिल्म बनाने का कीर्तिमान श्री सतीश जैन के नाम है, जिन्होंने वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माण के पथ को सुगम बनाया। छत्तीसगढ़ी फिल्मों के निर्माण में अत्याधुनिक कैमरे, लाइट और विविध प्रभावशाली इफैक्ट्स को इस्तेमाल करने की पहल हुई है। राज्य शासन की ओर से अब तक छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास निगम , छत्तीसगढ़ी फिल्म सिटी का गठन नहीं हो पाना, फिल्मों को सब्सिडी नहीं देना छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के लिए गतिरोधक सदृश्य है। दूरस्थ अंचलों में मिनी थियेटर की स्थापना, शूटिंग हेतु प्रशासनिक तौर पर सहजता से सहमति सुरक्षा तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

मातृभाषा के रूप में दर्ज हो छत्तीसगढ़ी भाषा : नंदकिशोर शुक्ल

चौरासी वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार नंदकिशोर शुक्ल अपने विशिष्ट पहनावे के साथ ही छत्तीसगढ़ी भाषा को मातृभाषा का दर्जा दिलाने के लिए तन-मन-धन से संघर्षरत है।वे कहते है- छत्तीसगढ़ के पैंसठ प्रतिशत रहवासियों की भाषा छत्तीसगढ़ी है,अत: स्वाभाविक रूप से छत्तीसगढ़ की पहली भाषा छत्तीसगढ़ी ही होना चाहिए। आगे वे कहते हैं कि प्राथमिक स्तर की शिक्षा शत-प्रतिशत छत्तीसगढ़ी में हो तथा बाकी उच्च स्तर पर एक अनिवार्य विषय के रूप में हो, किन्तु जनप्रतिनिधियों की उदासीनता, नौकरशाहों की नीति और जनमन में दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव ने छत्तीसगढ़ी भाषा को दोयम दर्जे की भाषा बना कर रख दिया है। भाषा के प्रचार प्रसार और समृद्धि हेतु छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग का गठन किया गया है, किन्तु अब तक स्वतंत्र अधिकार, नीति-निर्धारण,साधन सम्पन्न आयोग का दर्जा नहीं मिला है। कामकाज राज-काज छत्तीसगढ़ी भाषा में करने हेतु सरल मार्गदर्शिका बनाई जा चुकी है। वह भी धूल खाते पड़ी है। हर्ष की बात है नई पीढ़ी के बच्चे सोशल मीडिया के माध्यम से छत्तीसगढ़ को बेहतर सम्मान दे रहे हैं। रामचंद्र देशमुख जी की तरह यहां के कलाकार भी छत्तीसगढ़ी क्रांति जगाने पुरजोर कदम उठाएं।

आदिमजाति संस्कृति का संरक्षण हो सर्वोच्च प्राथमिकता : रिखी क्षत्रिय

छत्तीसगढ़ के लोकवाद्यों के संरक्षक, मशहूर लोक नर्तक, अनेक बार दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत कर चुके रिखी क्षत्रिय कहते हैं कि- राज्य गठनोपरांत दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक,धार्मिक, पुरातत्व स्थलों की चलित झांकियों को अब तक सत्रह बार प्रदर्शन करने का अवसर मिल चुका है। इससे विदेशियों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति से रू-ब-रू होने के साथ ही छत्तीसगढ़ की भित्ति चित्र, कास्ट धातु, टेराकोटा बेल मेटल शिल्प को विश्व स्तर पर प्रसिद्धि मिली। छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य राज्य है। इस दृष्टि से इनकी कला संस्कृति की समृद्धि संरक्षण हेतु विशेष प्रयास जरूरी है। हर्ष की बात है कि छत्तीसगढ़ और देश के अन्य राज्यों के आदिमजाति समुदाय के लोकनृत्यों सहित वर्ष 2019 में पहला 2021 में दूसरा और 2023 में तीसरा विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। इस समारोह से आदिम जनजातियों की जीवन शैली,पर्वों, परम्पराओं, नृत्यों, वाद्यों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच मिला। यद्यपि इस दौरान इस बात का दुखद पहलू भी नज़र आया कि देश-विदेश के जनजातीय समुदाय की नृत्य शैली- पहनावा में शहरी संस्कृति का घुसपैठ हो रहा है। यह चिंताजनक विषय है। इसे देखते हुए विविध जनजाति समुदाय के जीवन स्तर में सुधार के साथ ही पारंपरिक रीति रिवाज को संरक्षित रखने गंभीरता से कार्य होना आवश्यक है। परिचर्चा के सभी प्रतिभागियों के विचारों से यह बात छनकर बाहर आती है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में राजनीतिक स्थिरता बनी हुई है। इसका प्रत्यक्ष लाभ लेते हुए यहां की भाषा, कला, संस्कृति, सभ्यता, साहित्य और पुरातत्व के संरक्षण हेतु जनप्रतिनिधियों को ईमानदारी से आगे आना ही चाहिए। राज्य गठनोपरांत छत्तीसगढ़ के पर्वों पर अवकाश देने की पहल हुई है जो की राज्य की लुप्त होती परंपराओं पकवानों और विविध खेलों के संरक्षण की दृष्टि से बहुपयोगी कहा जा सकता है। छत्तीसगढ़ के पर्व हरेली, छेरछेरा, तीजा, भक्त माता कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी पर घोषित अवकाश ने नई पीढ़ी को पर्यावरण, परम्परा और संस्कारों से जुड़ने का व्यापक अवसर दिया है।यह सराहनीय है क्योंकि- जिस गांव में पानी नहीं गिरता, वहां की फसलें खराब हो जाती हैं, और जहां साहित्य-संस्कृति का मान नहीं होता, वहां की नस्लें खराब हो जाती है।

अमेरिका को कितना बदलेगा यह चुनाव

नरेंद्र नाथ

अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव इस बार कई मायनों में खास और ऐतिहासिक बनता जा रहा है। पिछले कई बरसों में यह इलेक्शन न सिर्फ अब तक का सबसे नजदीकी, बल्कि कई मामलों में निर्णायक दिशा देने वाला भी माना जा रहा। यह चुनाव बस राजनीतिक नहीं है, समाज का हर तबका और हर क्षेत्र शामिल है इसमें। यह अभी तक का सबसे पोलराइज्ड इलेक्शन है, जिसमें जनता के बीच कई स्तरों पर विभाजन की बड़ी लकीर खिंच चुकी है। सभी विश्लेषक इस बात से सहमत हैं कि अंतिम परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए, लेकिन इलेक्शन बाद चीजें पहले की तरह नहीं रह जाएंगी। डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच चार बरसों में होने वाले सियासी युद्ध ने दोनों के समर्थकों के मध्य भी ऐसी खाई खींच दी है, जिसे पाटने में कई बरस लग सकते हैं। सबसे बड़ी चिंता इसी बात को लेकर जताई जा रही है। अमेरिका में इस चुनाव को कल्चरल वॉर के रूप में भी देखा जा रहा है। दोनों पक्ष, पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन कैंडिडेट डॉनल्ड ट्रंप और उनके सामने खड़ीं उपराष्ट्रपति व डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस एक-दूसरे को देश की संस्कृति और विरासत के खिलाफ बता रहे हैं। ट्रंप अपनी हर रैली में कहते आए हैं कि कमला हैरिस और उनके समर्थक वोक संस्कृति से प्रभावित हैं। ट्रंप के मुताबिक, यह अमेरिकियों की विरासत और पारिवारिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं है। वहीं, कमला हैरिस और उनकी पार्टी का कहना है कि ट्रंप अमेरिका की संस्कृति की रक्षा के नाम पर अपने देश को पीछे ले जा रहे हैं, वह लोगों की स्वतंत्रता पर पहरा लगाने वाले हैं। अमेरिका में मीडिया ने जब आम लोगों से बात की, तो साफ हुआ कि दोनों पक्षों की बातें जमीन पर असर दिखा रही हैं। कहीं न कहीं वोटर भी अपने नेताओं के तर्कों को स्वीकार करते दिख रहे हैं। दोनों पक्षों ने अपने-अपने मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए हर हथकंडा अपनाया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी याद नहीं कि इससे पहले अमेरिकी चुनाव में संस्कृति का मुद्दा कभी इस तरह से मुख्यधारा में शामिल रहा है या नहीं। यहां तक कि गर्भपात से जुड़े कानून का मसला भी संस्कृति की ओर मुड़ गया है। नैरेटिव के स्तर पर भी यह चुनाव बहुत अहम माना जा रहा। पहली बार ट्रंप सीधे तौर पर मुख्यधारा की मीडिया के साथ दो-दो हाथ करते नजर आ रहे हैं। वह अपनी हर रैली में मीडिया को समाज का दुश्मन बताते हैं। अपनी बात रखने के लिए वह पूरी तरह से सोशल मीडिया और ऑल्टरनेटिव मीडिया पर निर्भर हैं। एक्स (पहले ट्विटर) के मालिक इलॉन मस्क इस काम में ट्रंप की खुलकर मदद कर रहे हैं। अमेरिका में पहली बार राष्ट्रपति पद का कोई उम्मीदवार सीधे तौर पर मीडिया पर निशाना साध रहा है। वहीं, मीडिया ने भी ट्रंप के सामने झुकने से इनकार कर दिया है। कुल मिलाकर नैरेटिव की यह लड़ाई दिलचस्प बन पड़ी है और परिणाम से तय होगा कि आगे इसकी दिशा क्या रहने वाली है। कुछ बरसों से पूरी दुनिया में मेनस्ट्रीम और ऑल्टरनेटिव मीडिया को लेकर बहस चल रही है। अमेरिका का चुनाव इसमें अंतिम निर्णय की तरह सामने आ सकता है। यह चुनाव अमेरिका में प्रवासियों का भी भविष्य तय करेगा। पूरी दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी अमेरिका ही जाते हैं। ट्रंप के रूप में पहली बार राष्ट्रपति पद के किसी उम्मीदवार ने इतना सख्त स्टैंड लिया है। वह प्रवासियों को रोकने के लिए न सिर्फ सख्त कानून बनाने का वादा कर रहे, बल्कि जीतने पर उन लाखों लोगों को तुरंत देश से बाहर निकालने की बात भी कह रहे, जो गलत तरीके से अमेरिका में रह रहे हैं। बात भले अवैध प्रवासियों की हो रही है, लेकिन माहौल ऐसा रचा गया है, जिससे समाज में मूल निवासियों और प्रवासियों के बीच दरार पैदा हो गई है। ट्रंप जीते तो असर केवल अमेरिका नहीं, पूरी दुनिया में देखने को मिल सकता है। अमेरिकी चुनाव में आर्थिक नीतियों को लेकर भी नए सिरे से बहस हो रही है। ट्रंप बहुत बड़े बदलाव की बात कर रहे हैं, जिसमें समाज कल्याण पर फोकस कम हो सकता है। दूसरी ओर, कमला हैरिस सोशल वेलफेयर वाली नीतियों के पक्ष में हैं। दोनों की पॉलिसी में इतना अंतर है कि परिणाम पर अमेरिका के साथ-साथ पूरे विश्व के बाजार की नजरें टिकी हैं। डॉनल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच का यह मुकाबला हॉलिवुड बनाम सिलिकॉन वैली भी बन गया है। मस्क ने सिलिकॉन वैली को ट्रंप के पक्ष में करने की पूरी कोशिश की है। पहले यहां का बड़ा समर्थन डेमोक्रेट्स को रहता था। दूसरी ओर, लगभग पूरा हॉलिवुड अभूतपूर्व तरीके से कमला हैरिस के पक्ष में खड़ा है। अमेरिकी चुनाव में शायद ही पहले कभी हॉलिवुड ने इस तरह किसी एक उम्मीदवार का सपोर्ट किया हो।

असली अमेरिकी चेहरे को बेनकाब करता चुनाव

योगेंद्र यादव

विश्लेषण से पहले कबीरदास से क्षमायाचना करते हुए एक तुकबंदी पेश है- 'कमला ट्रंप दोऊ खड़े, काके करूं सखाय/ बलिहारी ट्रंप आपनो, जिन अमेरिका दियो दिखाय.' कवि कहता है कि मेरे सम्मुख डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस दोनों खड़े हैं, और इस नाचीज हिंदुस्तानी की दुविधा है कि किससे दोस्ती करूं. फिर उसके समक्ष सत्य का प्रकाश होता है और वह कह उठता है- जय हो ट्रंप साहब की, जिन्होंने पूरी दुनिया को अमेरिका का सच्चा चेहरा दिखा दिया.

अमेरिकी चुनाव को देखने के तीन नजरिये हो सकते हैं. पहला, बाकी दुनिया की तरह हम उत्सुकता से परिणाम का अनुमान लगा सकते हैं, मानो यह इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैच हो. अमेरिकी राजनीति के विद्वानों की राय मानें, तो इस बार कांटे की टक्कर है. रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के दावेदार ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से निवर्तमान उपराष्ट्रपति और पहली बार राष्ट्रपति चुनाव में उतरी हैरिस दोनों को लगभग बराबर वोट आने की संभावना है, कोई 45 प्रतिशत के आसपास.

अनुमान है कि वोटों में हैरिस दो-तीन प्रतिशत आगे रह सकती हैं. लेकिन अमेरिकी चुनाव पद्धति इतनी अजीब है कि अधिक वोट आने के बावजूद कमला हैरिस के हारने की संभावना ज्यादा है. दूसरा नजरिया एक चिंतित विश्व नागरिक का होगा. हम चिंता कर सकते हैं कि ट्रंप जैसे खड़ दिमाग का सबसे ताकतवर देश का राष्ट्रपति बनने का दुनिया पर क्या असर पड़ेगा. सच यह भी है कि हमारी चिंता करने से कुछ होने-जाने वाला नहीं है. यूं भी, कोई अमेरिकी राष्ट्रपति बने, हमारे जैसे देशों के लिए कोई खास फर्क पड़ने वाला नहीं है.

तीसरा नजरिया हो सकता है- एक ठेठ हिंदुस्तानी नजरिया. बेगाने की शादी में अब्दुल्ला दीवाना बनने के बजाय हम दूर से इस चुनाव को देखें और सीखें. चुनावी घमासान के चलते अचानक अमेरिकी सपने

का सुनहरा पर्दा गिर गया है. उसका फायदा उठाकर दुनिया को लोकतंत्र का उपदेश देने वाली जन्नत की हकीकत देखने का मौका ना छोड़ें. इस नजर से देखने पर हमें सबसे आगे डोनाल्ड ट्रंप नामक महाशय मिलेंगे, जिनके साथ आधा अमेरिका खड़ा है, आधे से ज्यादा श्वेत और मर्द मतदाता खड़े हैं, ऐलन मस्क जैसे रईस खड़े हैं. कोई ऐसा कुकर्म नहीं है, जिससे इन्हें परहेज रहा हो.

ट्रंप ने रियल एस्टेट और बिल्डर के काम से 660 करोड़ डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये) का साम्राज्य बनाया है, टैक्स फ्रॉड में पकड़े जा चुके हैं. झूठ और नफरत का धंधा भी खुलकर चलाते हैं. अप्रवासियों के बारे में अफवाह फैलाते हैं. ट्रंप सच और झूठ के बीच कोई भेद नहीं करते. वहां का मीडिया उनके झूठ को झूठ बताने में कोताही नहीं करता. ट्रंप औरतों के मामले में बदनाम हैं, तीन बार शादी की है, दर्जनों अफेयर रहे हैं, औरतों के बारे में अश्लील टिप्पणियां भी करते रहे हैं. उनके साथ काम करने वाले अनगिनत लोग उनकी बेईमानी, बदमजगी, बेवकूफी, बदतमीजी और बेहयाई की शिकायत कर उनका साथ छोड़ चुके हैं. पिछली बार चुनाव हारने के बाद ट्रंप साहब ने अपने समर्थकों को संसद भवन पर हमला करने के लिए उकसाया और अमेरिकी इतिहास में पहली बार तख्ता पलटने की कोशिश करवायी.

आप सोचेंगे कि ऐसी छवि वाला व्यक्ति सार्वजनिक जीवन में बचा कैसे है. यह सवाल आपको मंच के दूसरी तरफ ले जायेगा, जहां एक बुजुर्ग जो बाइडेन मिलेंगे. खोये-खोये से लड़खड़ाते हुए यह सज्जन अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और दुनिया की सबसे ताक़तवर फौज के कमांडर हैं. कुछ महीने पहले तक वे डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार भी थे. वो तो भला हो एक टीवी डिबेट का, जिसमें ट्रंप से बहस करते हुए उनकी मानसिक अवस्था की कलई खुल गयी और उनके समर्थकों को उन्हें बीच रास्ते दौड़ से बाहर निकालना पड़ा.

अब ट्रंप का मुकाबला कर रही हैं कमला देवी हैरिस. भारतीय मूल की तमिल माता और जमैका के अश्वेत पिता की संतान कमला एक अश्वेत महिला हैं, पढ़ी लिखी हैं, स्वस्थ हैं और बोलने में चुस्त. उनकी पृष्ठभूमि से आप यह ना समझ लें कि उन्हें भारत या तीसरी दुनिया के अश्वेत लोगों से कोई हमदर्दी है. इस मायने में वे अमेरिकी मुख्यधारा की राजनीति की प्रवक्ता हैं. वे इस्राइल की समर्थक हैं, दुनिया में अमेरिकी दादागिरी की वकालत करती हैं और देश के भीतर थैलीशाहों के साथ हैं. उन पर कोई बड़ा आरोप नहीं है- न कुछ बुरा करने का, न कुछ अच्छा करने का, न बुरा बोलने का, न अच्छा सोचने का. तमाम बड़े नेताओं की तरह वे भी विचार मुक्त हैं. यह है विकल्प अमेरिकी जनता के सामने.

अगर आप दुनिया के हाशिये पर बैठकर देखेंगे, तो आप समझेंगे कि असली सवाल यह नहीं है कि कौन जीतेगा. सवाल यह है कि अमेरिकी चुनाव इन विकल्पों तक क्यों सिमट गया है. क्या उस समाज का रातोंरात ऐसा पतन हो गया है या हमें अचानक उसका पूरा सच देखने का मौका मिल गया है? क्या ट्रंप एक औसत अमेरिकी की दबी कुंठाओं और अमेरिकी चरित्र की अभिव्यक्ति हैं? या दुनियाभर में अब महामानव नेताओं से पिंड छुड़ाकर औसत की पूजा का युग शुरू हो गया है? जैसा अरस्तू का डर था- क्या लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल रहा है?

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और भारत

मयंक छाया

मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव था। इस चुनाव में चाहे डोनाल्ड ट्रंप जीतें या कमला हैरिस, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत के प्रति जो दोस्ताना व्यवहार दिखाया है, उसमें कोई कमी नहीं आयेगी। अगर कमला जीतती हैं, तो वे अपनी दिवंगत तमिल माता डॉ श्यामला गोपालन हैरिस से मिली आधी भारतीय जातीयता के कारण संबंधों में कुछ चमक ला सकती हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता की चर्चा अक्सर करते हैं। दोनों नेता इस समीकरण को आगे बढ़ा सकते हैं। मार्च 2000 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की महत्वपूर्ण भारत यात्रा के बाद से उनके उत्तराधिकारियों- जॉर्ज बुश, बराक ओबामा, ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडेन दौर में दोनों देशों के संबंध उत्तरोत्तर मजबूत हुए हैं।

एक तरह से, संबंधों में यह सुधार पिछले तीन दशकों में चीन के नाटकीय उदय के समानांतर है, जो अब वैश्विक प्रभाव में अमेरिका को टक्कर दे रहा है। चीनी संदर्भ को ध्यान में रखते हुए यह उम्मीद की जा सकती है कि हैरिस या ट्रंप वर्तमान दिशा में कोई बदलाव करेंगे। जब तक अमेरिका चीन को अपना वैश्विक दुश्मन मानता रहेगा, कोई भी अमेरिकी प्रशासन निकट भविष्य में भारत के साथ संबंध कमजोर करने का जोखिम नहीं उठायेगा। भारत-चीन संबंध में हाल में आयी नरमी का इस पर असर नहीं होगा।

आशा है कि कमला हैरिस प्रशासन भारत के प्रति बाइडेन प्रशासन के व्यावहारिक दृष्टिकोण को जारी रखेगा। बेशक, भारत कश्मीर के पक्ष में उनके बयान को शायद ही भूल पाये, जो उन्होंने मोदी सरकार द्वारा 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद दिया था। उन्होंने कहा था, 'हम सब देख रहे हैं।' वे कश्मीर में मानवाधिकार की स्थिति की भी आलोचना करती रही हैं। वह बयान पांच साल पहले का है और राष्ट्रपति के रूप में उनकी विदेश नीति की मजबूरियां उपराष्ट्रपति की उनकी भूमिका की तुलना में बहुत अलग तरह की होंगी। अभी तक ऐसा कोई

संकेत नहीं है कि राष्ट्रपति के रूप में वे कश्मीर को लेकर भारत में कोई हलचल मचाना चाहेंगी। इसका एक मुख्य कारण यह है कि वे शुरुआती चरण में विभाजित घरेलू राजनीति में अधिक उलझी रहेंगी, जिसमें कश्मीर जैसे मुद्दों की कोई प्रासंगिकता नहीं है। दूसरी ओर, ट्रंप द्वारा दक्षिण एशिया क्षेत्र और इसके केंद्र भारत के मामलों में कम रुचि दिखाने की उम्मीद है। उनका सारा ध्यान सीमा शुल्क पर रहेगा, जो उनका पसंदीदा मुद्दा है। उन्होंने भारत पर द्विपक्षीय व्यापार संबंधों का दुरुपयोग करने आरोप लगाया है और भारत सहित अन्य देशों से होने वाले आयात पर भारी शुल्क लगाने की धमकी दी है। इसके अलावा उनके भारत के प्रति मैत्रीपूर्ण रहने की संभावना है।

ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के एक अनुमान के अनुसार ट्रंप की शुल्क योजना से भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 0।1 प्रतिशत कम हो जायेगा। यह मामूली कमी है, पर संबंधों पर इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है। एक पहलू, जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता, यह भी है कि भारत में ट्रंप के व्यापारिक हित हैं। पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार डेविड के जॉनस्टन के अनुसार, 'उनके कुछ सबसे लाभदायक निवेश भारत में हैं, जहां इमारतों पर उनका नाम है।' उस व्यापारिक हित का भी भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण पर थोड़ा असर हो सकता है। महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक पर पहल पर असर की कोई संभावना नहीं है। यह पहल अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और उन्नत दूरसंचार जैसी तकनीकों के संबंध में रणनीतिक सहयोग पर केंद्रित है, जो एक तरह से इसकी अपनी ढाल है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि चीन इन क्षेत्रों में बहुत आगे न निकल जाए, भारत और अमेरिका का परस्पर सहयोग महत्वपूर्ण है। इसी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ ऊर्जा आदि अहम क्षेत्र हैं, जो अगले 100 वर्षों के लिए दुनिया के काम करने के तरीके को तय करेंगे।

ट्रंप वैश्वीकरण के समर्थक नहीं हैं, इसलिए भारत के समस्याग्रस्त पड़ोसियों, जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और कुछ हद तक श्रीलंका और नेपाल पर उनके कोई खास ध्यान देने की संभावना नहीं है। यह हैरिस के विपरीत हो सकता है, हालांकि शायद वे भी पदभार संभालने के तुरंत बाद इन मसलों में हाथ डालने का विकल्प न चुनें। शायद दोनों के बीच सबसे अहम अंतर जलवायु परिवर्तन से निपटने में होगा, जिसके परिणाम भारत और दक्षिण एशिया में हर दिन महसूस किये जाते हैं। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को एक 'धोखा' कहा हैं, जबकि हैरिस से बाइडेन की तरह सक्रिय होने की उम्मीद की जा सकती है, जो भारत के लिए फायदेमंद होगा। पहले की तरह ही इस राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी भारत का उल्लेख केवल मामूली रूप से किया गया है। हालांकि, भारतीय मूल के अमेरिकी पांच स्विंग राज्यों- एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, उत्तरी कैरोलिना और पेंसिल्वेनिया में निर्णायक हो सकते हैं। सर्वे के अनुसार, इन राज्यों में चार लाख दक्षिण एशियाई-अमेरिकी मतदाता हैं, जिनमें से अधिकतर भारतीय मूल के हैं। ये मतदाता निर्णायक साबित हो सकते हैं।

शहरी आतंकी शक्तियों को कुचलने की चुनौती?

आलोक मेहता

जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में विदेशी आतंकियों की घुसपैठ नियंत्रित करने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार शहरों के नकाबपोश आतंकियों और उनको पनाह देने वाले प्रभावशाली लोगों पर क़ानूनी शिकंजे से कठोर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में माओवादी नक्सली गतिविधियां पिछले वर्षों के दौरान न्यूनतम हो गई हैं। वहीं केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्यों की पुलिस के बेहतर तालमेल से झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में बड़े पैमाने पर नक्सली या तो मुठभेड़ में मारे गए या गिरफ्तार हुए अथवा उन्होंने आत्मसमर्पण किया। फिर भी कुछ दुर्गम क्षेत्रों में सक्रिय माओवादी नक्सलियों को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और विदेशों से हथियार, धन और साइबर आपराधिक तरीकों से सहायता मिलने पर अंकुश के लिए सरकार को अधिक सतर्कता से कार्रवाई करने की आवश्यकता है। चुनाव की घोषणा से दो महीने पहले महाराष्ट्र सरकार ने 'अर्बन नक्सल' के खिलाफ कार्रवाई के लिए महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक (एमएसपीएसए), 2024 पेश किया। लेकिन सत्र समाप्त होने से यह विधेयक पारित नहीं हो सका। सरकार चाहती तो अध्यादेश लाकर इसे कानून का रूप दे सकती थी। लेकिन अकारण आलोचना और अदालती हस्तक्षेप की संभावना के कारण ऐसा नहीं किया गया। मजेदार बात यह है कि ऐसा कानून छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में लागू है। यह कानून लागू होने पर पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेने की शक्ति मिल जाएगी, जो नक्सलियों को लॉजिस्टिक के साथ शहरों में सुरक्षित ठिकाने मुहैया कराते हैं। नक्सली

संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों को प्रभावी कानूनी तरीकों से नियंत्रित करने की आवश्यकता है। अभी मौजूद कानून नक्सलवाद, इसके फ्रंटल संगठनों और व्यक्तिगत समर्थकों से निपटने के लिए अप्रभावी और अपर्याप्त हैं। नक्सलियों का खतरा सिर्फ राज्यों के दूरदराज इलाकों तक सीमित नहीं है। नक्सली संगठनों की मौजूदगी शहरी इलाकों में भी हो गई है। 1999 में संगठित अपराध पर काबू पाने के लिए महाराष्ट्र में मकोका लागू किया गया था। इस कानून की काफी आलोचना हुई थी, मगर सरकार और पुलिस को क्राइम कंट्रोल में फायदा मिला। अब शहरों में बैठकर नक्सली गतिविधि चलाने वालों के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार नया कानून लागू करना चाहती है। महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक (एमएसपीएसए) में 18 धाराएं हैं, जो सुरक्षा एजेंसियों को 'अर्बन नक्सल' के खिलाफ कार्रवाई की शक्ति देंगी। इसका दुरुपयोग रोकने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे 'अर्बन नक्सल' की पहचान करके उनकी फंडिंग की गहन छानबीन करें। सरकार का संकल्प है कि मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करा दिया जाए। असल में सरकार के साथ अन्य सामाजिक संगठनों को भी इस अभियान में सहयोग देना होगा।7 नक्सलियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को नियंत्रित करने के लिए जांच एजेंसियों और कूटनीतिक प्रयासों की भी आवश्यकता होगी।

दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...

कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रैड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंए रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में यैलो, ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है।तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ -शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एंब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और च्वाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए-लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलावट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव चोली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इगनोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगैंट नजर आएंगी।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रैंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए-लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साड़ियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साड़ियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ थ्रेड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कटैपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन प्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साड़ियां पहननी चाहिए।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद

सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लूएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी-जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक-तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद -तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4-5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई-नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनरलाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार-सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न - यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकाल लें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज - फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलैट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शंस हैं जो आप दोनों एक-दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

लुक कूल विद हॉट स्टोल

ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढ़ेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमेंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरैंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढंके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रेंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल प्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरेंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। ड्राइव करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पंसद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग-रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो चैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंफर्टेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंफर्टेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतना लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वूलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्क्वेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वूलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चैकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट्र वाले स्टोल ट्रैंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनैस भी झलकती है और खूबसरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता ह। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ हीफैमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉर्डर्स फैशन में है। वूलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती हैं और काफी गर्म होती हैं। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पशमीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती हैं। हैंडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती हैं। ऑर्क फॉरेस्ट सिल्क स्टोल में सिल्ककी सॉफ्टनैस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के दिए संकेत

मुंबई। एनसीपी एसपी के प्रमुख शरद पवार ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। शरद पवार ने कहा कि कहीं तो रुकना पड़ेगा। महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार का यह बड़ा बयान सामने आया है। शरद पवार ने कहा कि मैं कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता। चुनाव को लेकर मुझे अब रुकना चाहिए और नई पीढ़ी को आगे आना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि अब तक 14 बार चुनाव लड़ा हूं, सत्ता नहीं चाहिए, बस समाज के लिए काम करना चाहता हूं। शरद पवार ने अपने बारामती दौरे के दौरान कहा, मैं सत्ता में नहीं हूं। मैं राज्यसभा में हूं। मेरे पास अभी भी डेढ़ साल का वक्त बाकी है। डेढ़ साल बाद मुझे सोचना होगा कि राज्यसभा जाऊं या नहीं। लोकसभा तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। कितने चुनाव लड़े जाएं? अब तक 14 चुनाव हो चुके हैं। आपने एक बार भी घर नहीं बैठाया मुझे। हर बार मुझे निर्वाचित कर रहे हैं तो कहीं तो थमना ही चाहिए।

औरंगजेब ने देश को लूटा और मंत्री आलमगीर ने झारखंड को

रांची। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी राज्य झारखंड के कोडरमा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली को संबोधित किया। योगी ने अपने मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की ओर इशारा करते हुए झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की तुलना मुगल बादशाह औरंगजेब से करते हुए कहा कि आलम ने औरंगजेब की तरह ही राज्य को लूटा। कथित टेंडर घोटाले में गिरफ्तार किए गए आलम ने इस साल जून में इस्तीफा दे दिया था। सीएम योगी ने कहा कि पहले औरंगजेब ने देश को लूटा था, उसने देश के पवित्र मंदिरों को नष्ट किया था और अब क्या हो रहा है, झारखंड में एक आलमगीर आलम हैं पूर्व मंत्री और जेएमएम नेता जिनके घर में नकदी का ढेर मिला, इससे बुरा कोई नहीं हो सकता, इससे भी ज्यादा लूट। भाजपा देश की सुरक्षा, स्वाभिमान, रोजगार, महिला सशक्तिकरण की गारंटी है।

कनाडा में चरमपंथी ताकतों को दी जा रही राजनीतिक पनाह

ब्रिस्बेन। कनाडा में हिंदू मंदिर और हिंदू समुदाय के लोगों पर खालिस्तानियों के हमले की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और घटना को बेहद चिंताजनक बताया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर पर हुए हमले की घटना पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि यह एक तरह से कनाडा में चरमपंथी ताकतों को दी जा रही राजनीतिक पनाह की ओर इशारा करता है। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से कनाडा की घटना को लेकर सवाल किए। इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि आपने इस मामले में हमारे आधिकारिक प्रवक्ता का बयान देखा होगा और फिर हमारे प्रधानमंत्री द्वारा चिंता व्यक्त की गई।

आईपीएस संजय वर्मा महाराष्ट्र के नए डीजीपी बनाए गए

मुंबई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी संजय कुमार वर्मा को मंगलवार को महाराष्ट्र का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया। विधि एवं प्रौद्योगिकी महानिदेशक के तौर पर सेवा दे रहे 1990 बैच के अधिकारी वर्मा रश्मि शुक्ला की जगह लेंगे। प्रमुख विपक्षी दलों की शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य पुलिस प्रमुख के पद से शुक्ला को हटाने का निर्देश दिया था। अधिकारी ने बताया कि संजय कुमार वर्मा को अप्रैल 2028 में सेवानिवृत्त होना है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हाल ही में एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों को न केवल निष्पक्ष रहने की चेतावनी दी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते समय पक्षपात करते न दिखें।

मुडा घोटाले में आज लोकायुक्त के सामने पेश होंगे सिद्धारमैया

बेंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुडा घोटाले के मामले में लोकायुक्त के सामने पेश होने की पुष्टि कर दी है। लोकायुक्त ने घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सीएम सिद्धारमैया को समन जारी किया था। मंगलवार को सीएम हुबली धारवाड़ इलाके में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वे लोकायुक्त के सामने पेश होंगे तो इस पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मैं बुधवार सुबह 10 बजे जा रहा हूं। लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धारमैया को समन जारी कर 6 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इससे पहले सीएम की पत्नी पार्वती से इस मामले में 25 अक्तूबर को पूछताछ हो चुकी है। साथ ही पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवाराजू से भी पूछताछ हुई है। देवाराजू से ही मल्लिकास्वामी ने जमीन खरीदकर अपनी बहन पार्वती को उपहार स्वरूप दी थी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया है।

झारखंड में कांग्रेस का भाजपा पर वार, कहा-

यह चुनाव जनता की सरकार और पीएम को खुश करने वालों के बीच

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इस बीच राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की साथी कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहाने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा सरकार ने 2015 में पावर प्लांट लगाने में अदाणी समूह को फायदा पहुंचाया। कांग्रेस ने कहा कि झारखंड में यह मुकाबला लोगों के लिए काम करने वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुश करने वालों के बीच है।

एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, वर्ष 2015 के जून महीने में मोदानी ग्रुप ने झारखंड में गोड्डा ज़िले के दस गांवों में कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। झारखंड में तत्कालीन भाजपा राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से, स्थानीय किसानों से 1,255 एकड़ तक भूमि का अधिग्रहण किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान बल प्रयोग और डराने-धमकाने की कई रिपोर्ट्स आईं।

उन्होंने कहा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की सरकार ने इस प्रोजेक्ट में प्रधानमंत्री के पसंदीदा टेम्पो-वाले की मदद करने का हर संभव प्रयास किया- जल्दबाजी में मंजूरी देने से लेकर बिजली संयंत्र को एसईजेड घोषित करने तक। हाल ही में, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद - जो पहले एक विवादास्पद समझौते के माध्यम से इस संयंत्र से बिजली खरीद रहा था- केंद्र सरकार ने तुरंत मोदानी ग्रुप को यहां की बिजली भारत में ही बेचने की अनुमति दे दी। जयराम रमेश ने कहा, इस बीच किसानों से जबरन जमीन अधिग्रहीत किए जाने के वर्षों बाद भी उन्हें मुआवजे के पूरे भुगतान का इंतजार है। झारखंड में हो रहा विधानसभा चुनाव ऐसी सरकार के बीच का मुकाबला है, जहां एक लोगों के लिए काम करती है और दूसरी प्रधानमंत्री और उनके मित्रों को खुश करने के लिए।

राहुल गांधी के संविधान सम्मान सम्मेलन में मीडिया की नो एंट्री! महाराष्ट्र में बढ़ा विवाद

नईदिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव अभियान के तहत 6 नवंबर को महाराष्ट्र का दौरा करने वाले हैं, जहां वह नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन में भाग लेंगे और शाम को, राज्य के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की गारंटी, जिसकी घोषणा मुंबई में की जाएगी। हालांकि, इसको लेकर सियासत जारी है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के दौरे पर तंज कसा है। देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि संविधान के प्रति उनकी कोई भक्ति नहीं है। यह सिर्फ उनका नाटक है और कुछ नहीं। उनके नाटक से कोई भी उन्हें वोट नहीं देने वाला है। बीजेपी उम्मीदवार राहुल नार्वेकर ने कहा कि ये राहुल ही काफी है। मुंबई को उस राहुल की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी ने संविधान में उल्लिखित एससी और एसटी के अधिकारों को छीनने की बात कही, उसके लिए मुंबई में कोई जगह नहीं है। इसका (उनके आगमन का) बड़ा प्रभाव पड़ेगा। महायुति से बहुत फायदा होगा। नागपुर में राहुल गांधी के आगामी संविधान सम्मान सम्मेलन में मीडिया की पहुंच को रोकने के कांग्रेस पार्टी के फैसले पर एक नया विवाद सामने आया है। इस कदम ने आपत्तियां बढ़ा दी हैं, खासकर उस पार्टी के रूप में, जो पारंपरिक रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता की वकालत करती है, संवैधानिक मूल्यों के सम्मान पर केंद्रित एक कार्यक्रम में पत्रकारों को प्रवेश से वंचित करने के लिए आलोचना का सामना कर रही है।

महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए कुल 4140 उम्मीदवार दिखाएंगे अपना दमखम

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मैदान अब पूरी तरह सज चुका है। हम आपको बता दें कि सोमवार को नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए कुल 4,140 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। मतदान 20 नवंबर को होगा, जबकि नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी ने कहा, हमें 288 सीटों के लिए 7,078 वैध नामांकन पत्र मिले। इनमें से 2,938 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया है, जिससे 4,140 उम्मीदवार मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव के लिए 4,140 उम्मीदवारों का आंकड़ा 2019 के विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 3,239 उम्मीदवारों से 28 प्रतिशत अधिक है। हम आपको बता दें कि नंदुरबार की शहादा सीट पर सिर्फ तीन उम्मीदवार हैं, जबकि बीड की माजलगांव सीट पर 34 उम्मीदवार हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई की 36 सीटों पर 420 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, जबकि पुणे जिले की 21 सीटों पर 303 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

हम आपको यह भी बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया समाप्त होने से कोल्हापुर उत्तर सीट पर कांग्रेस को निराशा हाथ लगी, क्योंकि उसकी उम्मीदवार मधुरिमा राजे छत्रपति ने अपना नाम वापस ले लिया, जबकि भाजपा मुंबई के बोरीवली से गोपाल शेट्टी को मनाने में सफल रही। महायुति के लिए हालांकि सिरदर्द बरकरार रहा क्योंकि मुंबई के माहिम विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना उम्मीदवार सदा सरवणकर ने पार्टी नेतृत्व के दबाव के बावजूद अपना नाम वापस लेने से इनकार कर दिया।

उनका मुकाबला महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे से होगा। ठाकरे को भाजपा का समर्थन हासिल है जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ सत्तारूढ़ महायुति में एक घटक है।

इसके अलावा, कोल्हापुर में, सतेज पाटिल ने मधुरिमा राजे छत्रपति के दौड़ से बाहर होने पर निराशा व्यक्त की। उनके नाम वापस लेने से कांग्रेस पश्चिमी महाराष्ट्र के अपने गढ़ों में से एक में प्रतिनिधित्व के बिना रह गई। नाराज पाटिल ने कहा, अगर उनमें साहस नहीं था तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए था। मैं अपनी ताकत दिखा देता। यह झटका तब लगा जब कांग्रेस ने इस सीट पर अपने पूर्व उम्मीदवार पूर्व पार्षद राजेश लाटकर को बदल दिया और उन्हें नामांकित किया, क्योंकि पार्टी कार्यालय में पूर्व पार्षद के विरोधियों द्वारा तोड़फोड़ की गई थी। मधुरिमा राजे छत्रपति कोल्हापुर सीट से लोकसभा सदस्य और शाही परिवार के सदस्य शाहू छत्रपति की बहू हैं। सूत्रों ने कहा कि राजेश लाटकर को नजरअंदाज किए जाने के कारण नकारात्मक प्रचार की वजह से वह शायद इस दौड़ से अलग हो गई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लाटकर का समर्थन कर सकती है, जो निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। लाटकर ने कहा, पार्टी द्वारा मेरी उम्मीदवारी बदलने से पहले मुझसे परामर्श नहीं किया गया, जिसके कारण मुझे निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ना पड़ा।

वहीं अहिल्यानगर के श्रीगोंडा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार प्रतिभा पाचपुते, जो मौजूदा विधायक बबनराव पाचपुते की पत्नी हैं, ने अपना नामांकन वापस ले लिया और अपने बेटे विक्रमसिंह पाचपुते की ओर से एबी फॉर्म दाखिल किया। विक्रमसिंह राज्य भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष हैं। एक भाजपा नेता ने कहा, हमने विक्रमसिंह पाचपुते को उनकी मां के अनुरोध पर एबी फॉर्म दिया है। वह पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे।

दूसरी ओर, भाजपा को उस समय राहत मिली जब पूर्व सांसद शेट्टी ने बोरीवली से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन वापस ले लिया और घोषणा की कि वह पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार संजय उपाध्याय का समर्थन करेंगे। शेट्टी ने 2014 और 2019 में चार लाख से अधिक के अंतर से मुंबई उत्तर लोकसभा सीट जीती थी, लेकिन 2024 में उन्हें विधानसभा के लिए टिकट देने से इंकार कर दिया गया था। शेट्टी ने यह दावा करते हुए बगावत कर दी थी कि भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित सीटों में से एक इस सीट पर पिछले कई वर्षों से बाहरी उम्मीदवारों को टिकट दिया जा रहा है, जबकि स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ नेतृत्व की संवादहीनता पर भी चिंता जताई थी। भाजपा पुणे जिले की चिंचवाड़ सीट से बागी नाना काटे को मनाने में भी कामयाब रही, जिससे पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार शंकर जगताप का इस सीट पर राकांपा (शरदचंद्र पवार) के राहुल कलाटे के खिलाफ सीधे मुकाबले का रास्ता साफ हो गया है।

अहिल्यानगर जिले की शिरडी सीट पर भाजपा उम्मीदवार और राज्य के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल अपने पार्टी सहयोगी राजेंद्र पिपाड़ा को चुनाव न लड़ने के लिए राजी नहीं कर सके। विखे पाटिल की खुलेआम आलोचना करने वाले पिपाड़ा ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत के बाद भी अपना रुख नहीं बदला। इसके अलावा, कांग्रेस के मुख्तार शेख ने पुणे के कस्बा पेठ विधानसभा क्षेत्र से नामांकन वापस ले लिया और पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर को समर्थन देने की घोषणा की। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि सोमवार को कांग्रेस के सात बागी नेताओं ने अपना नाम वापस ले लिया। इनमें नासिक सेंट्रल से हेमलता पाटिल, भायखला से मधु चव्हाण और नंदुरबार से विश्वनाथ वाल्वी शामिल हैं। देवलाली से शिवसेना उम्मीदवार राजश्री अहेराव और डिंडोरी (जिला नासिक) से धनराज महाले, जो अपने एबी फॉर्म (पार्टी से मिलने वाला आवश्यक चुनाव दस्तावेज) को विशेष विमान से भेजे जाने के बाद सुर्खियों में आए थे, ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया। महायुति के सीट बंटवारे के समझौते के तहत आधिकारिक तौर पर सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को सीट आवंटित किए जाने के बावजूद शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने दोनों को मैदान में उतारा था।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत मजबूत वापसी कर सकता है

सिडनी। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि न्यूजीलैंड से श्रृंखला में करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा, लेकिन उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकती है। भारत को न्यूजीलैंड से तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है जबकि घरेलू धरती पर तीन या इससे अधिक टेस्ट मैच की श्रृंखला में उसका सूपड़ा साफ हुआ।

हेज़लवुड ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा,''वह (भारत) घायल शेर की तरह वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। श्रृंखला शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं।'' घरेलू धरती पर हार न केवल भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक है, बल्कि इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की अगले साल के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा है। लगातार तीन हार का मतलब है कि भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया से अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है। भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पांच में से चार मैच जीतने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हेज़लवुड ने कहा, ''इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यह परिणाम निश्चित रूप से हमारे लिए अच्छा होगा।''

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 694 अंक चढ़ा, बैंकिंग और मेटल शेयर चमके

नईदिल्ली। एशिआई बाजारों में पॉजिटिव रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी दर्ज की गई। दोनों प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुरूआती कारोबार में गिरने के बावजूद हरे निशान में बंद हुए। मेटल, बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर में खरीदारी के चलते बाजार चढ़कर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज गिरावट के साथ 78,542.16 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 78,296.70 अंक तक गिर गया था। हालांकि, शुरूआती गिरावट से उबरते हुए सेंसेक्स अंत में 694.39 अंक या 0.88% चढ़कर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोर शुरुआत से निपटते हुए 0.87त्न या 208 अंक की बढ़त लेकर 24,203.35 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 4.73 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

रुपये में दूसरी मुद्राओं की अपेक्षा मामूली गिरावट

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्तूबर में भारतीय रुपये में मामूली गिरावट आई है, वहीं अन्य प्रमुख मुद्राओं में भारी गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि हालांकि रुपया 84.09 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन उसके बावजूद यह अमेरिकी डॉलर में महीने भर में 3.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के मुकाबले मामूली गिरावट है। अक्तूबर के दौरान रुपये का कारोबार 83.82 और 84.09 प्रति डॉलर के बीच रहा। इसमें कहा गया है कि अक्तूबर 2024 में रुपये में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई (सितंबर 2024 में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि) और यह 84.09/ स्ठ के अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर भी पहुंच गया। हालांकि, अन्य प्रमुख मुद्राओं में भारी गिरावट की तुलना में यह गिरावट मामूली ही थी।

भारत में तेल की कीमतें स्थिर रहेंगी : पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया पोस्ट में संकेत दिया कि भारत में तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव के बीच स्थिर रहने की उम्मीद है क्योंकि देश के पास कच्चा तेल खरीदने के कई विकल्प हैं। संभावित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों पर चिंताओं को संबोधित करते हुए, पुरी ने जोर देकर कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं की विविध श्रेणी तक पहुँच के साथ, ऐसी स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए खुद को रणनीतिक रूप से तैनात किया है। पुरी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्राजील और गुयाना जैसे देशों से अधिक आपूर्ति बाजार में आ रही है। वर्तमान में, तेल की वैश्विक आपूर्ति खपत से आगे निकल गई है, जिससे बाजार में स्थिरता सुनिश्चित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है।

तेल व गैस की सब्सिडी में दर्ज की गई भारी गिरावट

नई दिल्ली। तेल और गैस क्षेत्र की सब्सिडी 10 साल में 85 फीसदी घटी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के मुताबिक, इस क्षेत्र को 2013 में 25 अरब डॉलर की सब्सिडी मिलती थी, जो 2023 तक घटकर 3.5 अरब डॉलर रह गई। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की रिपोर्ट के आधार पर कहा, 2010 के बाद से भारत ने हटाओ, लक्ष्य और बदलाव दृष्टिकोण अपनाते हुए जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में सुधार किया है। चुनिंदा पेट्रोलियम उत्पादों पर खुदरा कीमतों, कर दरों और सब्सिडी को समायोजित करने से तेल-गैस क्षेत्र में सब्सिडी कम हुई है। बता दें कि इसका उद्देश्य पेट्रोल-डीजल सब्सिडी को धीरे-धीरे खत्म करना और करों में वृद्धि करना था। इससे नवीकरणीय ऊर्जा पहल, ई-वाहनों व बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर में अधिक सरकारी समर्थन के लिए राजकोषीय गुंजाइश बनी।

टेस्ट सीरीज में शर्मनाक हार के दोषी हैं ये चार धुरंधर खिलाड़ी

विनोद पाठक

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया घर में टेस्ट सीरीज 3-0 से हार गई। इस शर्मनाक हार के कारणों को लेकर मंथन जारी है, लेकिन इस सीरीज को गंवाने में चार खिलाड़ी मुख्य रूप से दोषी नजर आते हैं। पहले स्वयं कप्तान रोहित शर्मा हैं, दूसरे पूर्व कप्तान विराट कोहली, तीसरे ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा व चौथे रविचंद्रन अश्विन हैं। इन चारों खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता के अनुसार खेल का प्रदर्शन नहीं किया।

बेंगलुरु में पहला टेस्ट मैच बारिश के कारण बाधित रहा, लेकिन मात्र ढाई दिन में न्यूजीलैंड ने इस मैच को 8 विकेट से जीत लिया। इस टेस्ट मैच में रोहित शर्मा ने पहली पारी में दो और दूसरी पारी में मात्र 52 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 70 रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में शून्य व दूसरी पारी में पांच और रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में शून्य व दूसरी पारी में 15 दिन जोड़े। इस मैच की पहली पारी में भारत 46 रनों पर ऑल आउट हो गया था।

दूसरा टेस्ट मैच पुणे में खेला गया, जिसमें न्यूजीलैंड ने 113 रनों से जीत दर्ज की। इस मैच में भी रोहित शर्मा पहली पारी में अपना खाता नहीं खोल सके, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 8 रन बनाए।

विराट कोहली ने पहली पारी में एक रन व दूसरी पारी में 17 रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में 38 व दूसरी में 42, जबकि रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में चार व दूसरी पारी में 18 रन की पारी खेली। दूसरे टेस्ट में भी खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस बेहद दोयम दर्जे का रहा।

तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया, जिसे

न्यूजीलैंड की टीम ने 25 रनों से जीता। भारत को न्यूजीलैंड ने चौथी पारी में 147 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन हमारे कागजों में रिकॉर्डधारी बल्लेबाज लक्ष्य से पीछे रह गए।

इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने पहली बारी में 18 व दूसरी में 11 रन, विराट कोहली ने पहली पारी में चार व दूसरी में एक रन, रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में 14 व दूसरी में 6 रन और रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में 6 व दूसरी पारी में 8 रन ही बनाएं।

बांग्लादेश के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया के हौसले बुलंद थे, लेकिन न्यूजीलैंड के आगे जिस तरह से टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने हथियार डाले हैं, वो आश्चर्यजनक है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों से यह उम्मीद की जाती है कि वो टीम इंडिया को मजबूती प्रदान करेंगे।

रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ऑलराउंडर की भूमिका में टीम में शामिल किए गए हैं। दोनों को निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूत करना होता है। इस टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, सरफराज और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों ने जरूर थोड़ा संघर्ष किया और स्कोर बोर्ड पर रन लगाए।

घर में हार के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को धक्का लगा है। टीम इंडिया को आगे ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज खेलनी है। अब इस सीरीज में उन्हें ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से उसके घर में पराजित करना होगा, जो फिलहाल संभव नजर नहीं आता है। घर में हारकर टीम इंडिया ने अपनी तैयारियों की पोल भी खोल ली है।

जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास लिया है। यदि ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर ये खिलाड़ी अच्छा परफॉर्मेंस नहीं करते तो इन्हें टेस्ट क्रिकेट से भी ने संन्यास दे दिया जाना चाहिए। रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन भी अपने करियर की ढलान पर हैं। दोनों को संन्यास ले लेना चाहिए। अब जरूरत युवाओं की नई टेस्ट टीम खड़ा करने की है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्य अलंकरण
एवं
राज्योत्सव समापन समारोह

06 नवम्बर, 2024

राज्योत्सव स्थल, नवा रायपुर, अटल नगर, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि
श्री जगदीप धनखड़
माननीय उप राष्ट्रपति

अध्यक्ष
श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, विधानसभा, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री अरूण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम, माननीय मंत्री
श्री दयाल दास बघेल, माननीय मंत्री
श्री केदार कश्यप, माननीय मंत्री
श्री लखन लाल देवांगन, माननीय मंत्री
श्री श्याम बिहारी जायसवाल, माननीय मंत्री
श्री ओ.पी. चौधरी, माननीय मंत्री
श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, माननीय मंत्री
श्री टंकराम वर्मा, माननीय मंत्री
डॉ. चरणदास महंत, माननीय नेता प्रतिपक्ष
श्री बृजमोहन अग्रवाल, माननीय सांसद
श्री राजेश मूणत, माननीय विधायक
श्री पुरन्दर मिश्रा, माननीय विधायक
श्री मोती लाल साहू, माननीय विधायक
श्री अनुज शर्मा, माननीय विधायक
श्री गुरू खुशवंत साहेब, माननीय विधायक
श्री इंद्र कुमार साहू, माननीय विधायक

एवं

समस्त माननीय सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

संवाद- 42022/127

आप सादर आमंत्रित हैं...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in | छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.